CMYK

धर्मेंद्र की हालत गंभीर, अस्पताल मिलने पहुंचे सनी, ईशा, हेमा मालिनी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 311 | रायपुर | मंगलवार 11 नवंबर 2025 | विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G/RYP DN/71/2023-25

बड़ी आतंकी साजिश नाकाम :

फरीदाबाद में डॉक्टर के घर से 300 किलो आरडीएक्स और 2 एके-47 बरामद

फरीदाबाद -

पुलिस ने एक डॉक्टर के किराए के मकान पर छापा मारते हुए लगभग 300 किलो आरडीएक्स बरामद किया है। इसके अलावा, पुलिस को 2 एके-47 राइफल और बड़ी संख्या में कारतूस भी मिले हैं।

जानकारी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कुछ दिन पहले यूपी के सहारनपुर से अनंतनाग निवासी डॉक्टर आदिल अहमद को आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से संबंध होने के आरोप में गिरफ्तार किया था। इसी जांच के सिलसिले में पुलिस ने फरीदाबाद में किराए पर लिए गए एक कमरे पर छापा मारा।

बताया जा रहा है कि कश्मीर के डॉक्टर मुजाहिल शकील ने फरीदाबाद में यह कमरा किराए पर लिया था। वह यहां खुद नहीं रहता था, बल्कि कमरे का इस्तेमाल सिर्फ सामान रखने के लिए करता था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने कमरे से कुल 14 बैग बरामद किए, जिनमें 300 किलो आरडीएक्स, 2 एके-47 राइफल, 84 कारतूस और कुछ रासायनिक पदार्थ मिले हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह कमरा करीब तीन महीने पहले किराए पर लिया गया था।

रेड के समय मौके पर 10 से 12 पुलिस वाहन पहुंचे थे। फिलहाल आरोपी डॉक्टर को हिरासत में लिया गया है और पूछताछ जारी है। इस मामले के तार चार राज्यों – जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और गुजरात – से जुड़े होने की संभावना जताई जा रही है।

दिल्ली : चलती कार में ब्लास्ट

शाम 6 : 52 बजे ब्लास्ट 11 मौते, 24 घायल

दिल्ली, मुंबई, राजस्थान, यूपी में हाई अलर्ट; शाह अस्पताल पहुंचे

पुलिस की हिरासत में एक संदिग्ध

एजेंसी

दिल्ली में लाल किले के पास कार में जोरदार धमाका हुआ है। ब्लास्ट में 11 लोगों की मौत हो गई है और 24 लोग घायल हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि एक i-20 कार के पिछले हिस्से में धमाका हुआ है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा ने बताया कि फोर्ट मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास शाम 6.52 बजे ब्लास्ट हुआ। घटना के बाद गृह मंत्री अमित शाम LNJP अस्पताल पहुंचे। वे कुछ देर में घटनास्थल भी पहुंचेंगे।

इधर, पुलिस ने इलाके को घेर लिया है। फॉरेंसिक टीम पहुंच गई है। आसपास के CCTV फुटेज खंगाले जा रहे हैं। NIA और NSG को भी

घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया गया है।

इससे पहल पीएम मोदी ने गृहमंत्री अमित शाह से बात करके घटना की जानकारी ली थी। धमाके के बाद दिल्ली समेत मुंबई, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, पंजाब और उत्तराखंड में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

एक संदिग्ध पुलिस की हिरासत में है. अन्य संदिग्धों की जानकारी जुटाई जा रही है. हर एंगल पर जांच जारी है. पकड़े गए संदिग्ध से पूछताछ जारी है. बताया जा रहा है कि इस ब्लास्ट के पीछे एक बड़ा मॉड्यूल है, जो दिल्ली में काफी समय से एक्टिव था।

पुलिस और अन्य सभी एजेंसियां जांच में जुटीं

दिल्ली पुलिस और अन्य सभी एजेंसियां जांच में जुटी हुई हैं. धमाका कितना जोरदार था इसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए. उधर,पुलिस का कहना है कि इस ब्लास्ट में कई लोग घायल हुए हैं और कुछ लोगों की मौत हुई है.

सरकार का बड़ा ऐलान, सभी स्कूलों में 'वंदे मातरम' गाना होगा अनिवार्य : योगी का ऐलान

गोरखपुर एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में आयोजित एकता पदयात्रा के दौरान घोषणा की कि उत्तर प्रदेश के सभी स्कूलों में 'वंदे मातरम्स' का गायन अनिवार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा, कोई मजहब राष्ट्र से बढ़कर नहीं हो सकता। 'वंदे मातरम' ने आज़ादी के आंदोलन में भारत की सोई हुई चेतना जगाई थी, आज उसका विरोध उचित नहीं।

घोषणा का संदर्भ – भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में सोमवार को निकाली गई एकता पदयात्रा में सीएम ने कहा कि राष्ट्रगीत का सम्मान सभी का कर्तव्य है। उनके अनुसार, जो व्यक्ति, मत या मजहब राष्ट्र के आड़े आता है, उसे समाज को बांटने नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति, मत या मजहब राष्ट्र से बड़ा नहीं हो सकता। जो व्यक्ति आस्था या राष्ट्र के आड़े आए, उसे एक छोर पर रख देना चाहिए। कुछ लोगों के लिए आज भी उनका व्यक्तिगत मत और मजहब बड़ा है। सपा के एक सासंद द्वारा वंदे मातरम गाने से इनकार करने का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे लोग जिन्ना को सम्मान देने के लिए होने वाले कार्यक्रम में तो शामिल होते हैं लेकिन सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं होते।

राममंदिर में ध्वजारोहण का शुभ मुहूर्त रहेगा आधे घंटे

-25 नवंबर को तीन घंटे अयोध्या में रहेंगे पीएम मोदी

-रामजन्मभूमि परिसर के सातों मंदिरों के शिखर पर फहराए जायेंगे ध्वज

एजेंसी। अयोध्या ।

श्री राम जन्मभूमि पर बने भव्य श्रीराम मंदिर ध्वजारोहण समारोह के आयोजन में अब गिनती के दिन बचे हैं। राममंदिर ध्वजारोहण का शुभ मुहूर्त मात्र आधे घंटे का है। ध्वज फहराने का शुभ मुहूर्त 25 नवम्बर को दोपहर में 12 बजे से 12 बजकर 30 मिनट तक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में श्रीराम मंदिर के साथ

साथ अन्य मंदिरों में ध्वज फहराएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अयोध्या आगमन का अभी अधिकृत प्रोटोकॉल नहीं आया है लेकिन राममंदिर प्रबंधन से जुड़े एक पदाधिकारी ने बताया कि 25 नवंबर को प्रधानमंत्री 10 बजकर 15 मिनट पर अयोध्या के महर्षि बाल्मिकी अंतराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे और 1 बजकर 45 मिनट पर अयोध्या से दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या में तीन घंटे से अधिक समय तक रहेंगे। पीएम मोदी के अयोध्या आगमन और राममंदिर के ध्वजारोहण समारोह के साथ मंदिर निर्माण की वर्तमान स्थिति का आकलन और तैयारियों के लिए श्रीराम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा अयोध्या में है। सोमवार को उन्होंने सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राममंदिर परिसर का अवलोकन करेंगे और प्रथम तल पर स्थापित राम परिवार की प्रतिमाओं के दर्शन भी करेंगे। कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रधानमंत्री कार्यालय पीएमओ जाएगी।

उन्होंने बताया कि राममंदिर परिसर में सौंदर्यीकरण, पौधरोपण और आर्किटेक्चरल कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। श्रीराम कथा संग्रहालय के निर्माण की जिम्मेदारी आईआईटी चेन्नई की सहयोगी संस्था 'परिवर्तन' को दी गई है। लगभग 50 करोड़ रुपये की लागत वाला यह एग्रीमेंट अंतिम चरण में है।

लालू परिवार के खिलाफ लैंड फॉर जॉब केस में 4 दिसंबर को होगी सुनवाई

नई दिल्ली ,बिहार विधानसभा चुनावों के बीच लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के सदस्यों को बड़ी राहत मिली है। जमीन के बदले नौकरी (लैंड फॉर जॉब) से जुड़े सीबीआई मामले में लालू परिवार के खिलाफ बिहार चुनाव के नतीजों के बाद फैसला दिया जाएगा।

इस मामले में लालू प्रसाद यादव और पत्नी राबड़ी देवी के अलावा बेटे तेजस्वी यादव व तेज प्रताप यादव, बेटी मीसा भारती व हेमा यादव और अन्य के खिलाफ आरोप तय करने पर सोमवार को फैसला आना था। हालांकि, सोमवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने फैसला सुनाने के लिए 4 दिसंबर की तारीख तय की।

भारत अफ्रीका में शांति और विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है : राष्ट्रपति

एजेंसी। भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज लुआंडा में अंगोला की नेशनल असेंबली को संबोधित किया। असेंबली में उनका गर्मजोशी से स्वागत करते हुए, अंगोला की नेशनल असेंबली की अध्यक्ष महामहिम कैरोलिना सेरकेरा ने कहा कि अंगोला की आज़ादी की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की अंगोला की यह ऐतिहासिक यात्रा द्विपक्षीय संबंधों में एक नया मील का पत्थर है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की बदलाव लाने वाली विकास यात्रा अंगोला के लिए प्रेरणा है। उन्होंने अफ्रीका के प्रति भारत के लंबे समय से चले आ रहे समर्थन और प्रतिबद्धता के लिए गहरी सराहना व्यक्त की।

अंगोला के सांसदों को संबोधन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इस बात पर ज़ोर दिया कि उपनिवेशवाद विरोधी संघर्ष का इतिहास और लोकतांत्रिक मूल्य भारत और अंगोला के बीच साझा जुड़ाव हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, और अंगोला अफ्रीका के सबसे जीवंत लोकतंत्रों में से एक है।

देश | देश के खिलाफ साजिशें

पाकिस्तान कर रहा भारत के पढ़े-लिखे लोगों का ब्रेनवॉश, हुए बड़े खुलासे

एजेंसी

पूर्व डीजीपी डॉ. एसपी वैद ने कहा, बहुत बड़ा हादसा हो सकता था, लेकिन पुलिस की सतर्कता से एक बड़ी त्रासदी टल गई। फरीदाबाद पुलिस, जम्मू-कश्मीर पुलिस और यूपी पुलिस ने मिलकर शानदार काम किया है। जनता इन अधिकारियों के प्रयासों की सराहना करती है। उन्होंने बताया, यह मामला बेहद चौंकाने वाला है, क्योंकि इसमें डॉक्टर जैसे शिक्षित और सम्मानित पेशेवर आतंकवाद में शामिल पाए गए हैं। पाकिस्तान किस तरह धार्मिक ब्रेनवॉशिंग के जरिए पढ़े-लिखे लोगों को भी अपने जाल में फंसा रहा है, यह उसका जीता-जागता उदाहरण है। चाहे कोई पीएचडी हो,

डॉक्टर हो, इंजीनियर हो या किसी कंपनी का वाइस प्रेसीडेंट, किसी को भी अपनी गिरफ्त में ले सकती है। डॉ. वैद ने कहा कि यूपी पुलिस की मदद से जम्मू-कश्मीर पुलिस ने डॉक्टर आदिल को गिरफ्तार किया था। आदिल से पूछताछ के दौरान डॉक्टर मुजम्मिल का नाम सामने आया, जिसे फरीदाबाद से गिरफ्तार कर लिया गया। अब तक की जांच में पता चला है कि बरामद 360 किलो अमोनियम नाइट्रेट आईईडी बनाने के लिएसंभालकरर रखी गई थी। इसके साथ ही एक असॉल्ट राइफल और पिस्तौल भी बरामद हुई है। यह सब एक ही बड़ी साजिश का हिस्सा है। अब यह पता लगाना जरूरी है कि यह विस्फोटक किस वाहन से लाया गया, किसने मदद की और देश में ऐसे कितने मॉड्यूल सक्रिय हैं। इस बीच रक्षा विशेषज्ञ कैप्टन अनिल गौर (सेवानिवृत्त) ने बताया कि 27 अक्टूबर को कश्मीर घाटी में कुछ पोस्टर लगाए गए थे। जांच में पता चला कि इन्हें डॉक्टर आदिल अहमद नाम के व्यक्ति ने लगाया था। जब उसे गिरफ्तार किया गया और उसका लॉकर खोला गया, तो उसमें एक एके-47 राइफल बरामद हुई। जांच में यह भी सामने आया कि वह जीएमसी श्रीनगर में अक्टूबर 2024 तक रजिस्टर्ड डॉक्टर था।

अमेरिकी सरकार का सबसे बड़ा शटडाउन, दो हजार से अधिक उड़ानें रद्द

एजेंसी

अमेरिकी सरकार का शटडाउन 40वें दिन पहुंच चुका है। इसके कारण देश भर में 2,000 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं और 8,000 से ज्यादा उड़ानों में देरी हुई। यह आंकड़े उड़ानें ट्रैक करने वाली वेबसाइट फ्लाइट अवेयर के अनुसार हैं। एजेंसी के अनुसार, शुक्रवार से अमेरिका के विमानन विभाग द्वारा उड़ानों में कटौती की नीति लागू की गई। इसके बाद उड़ानें रद्द होने की संख्या तेजी से बढ़ी है। गुरुवार को जहां 202 उड़ानें रद्द हुई थीं, वहीं शुक्रवार को यह संख्या बढ़कर 1,025 हो गई और शनिवार को 1,566 उड़ानें रद्द करनी पड़ी। शटडाउन शुरू होने के बाद से कई एयर ट्रैफिक कंट्रोलर छुट्टी पर चले गए, जिससे बाकी कर्मचारियों पर अतिरिक्त काम का बोझ बढ़ गया है।

परिवहन विभाग और विमानन प्राधिकरण ने देश के 40 बड़े हवाईअड्डों पर उड़ानों की संख्या में 10 प्रतिशत की कमी करने का फैसला किया है, ताकि कर्मचारियों पर दबाव कम हो और हवाई क्षेत्र की सुरक्षा बनी रहे। परिवहन मंत्री सीन डफी ने रविवार को सीएनएन को बताया कि स्थिति आगे और खराब हो सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि थैंक्सगिविंग (अमेरिका का प्रमुख त्योहार) से पहले हवाई यात्रा बहुत कम हो सकती है। राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के निदेशक ने भी कहा कि अगर लोग थैंक्सगिविंग के दौरान यात्रा नहीं कर पाए, तो साल की चौथी तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। अमेरिकी सरकार को फिलहाल खर्चों के लिए एक अस्थायी उपाय की आवश्यकता है, लेकिन यह प्रस्ताव सीनेट में विशेष प्रक्रिया फिलिबस्टर के कारण रुक गया है। इस प्रक्रिया में साधारण बहुमत नहीं, बल्कि 60 वोट चाहिए होते हैं। वर्तमान में रिपब्लिकन पार्टी के पास 53 वोट हैं, इसलिए वे 'फिलिबस्टर' को नहीं हटा पा रहे हैं और अस्थायी वित्त पोषण प्रस्ताव पारित नहीं हो पा रहा है।

बता दें, फिलिबस्टर के तहत सीनेटर किसी प्रस्तावित विधेयक या फंडिंग पर बहस को आगे बढ़ाकर मतदान में देरी या उसे रोक देते हैं। यही कारण है कि ट्रंप फिलिबस्टर को ध्वस्त करने की बात कर रहे हैं ताकि वे फंडिंग और बजट से जुड़े प्रस्ताव को पास कर सकें।

गवर्नमेंट शटडाउन खत्म होने की उम्मीद से नैस्डेक फ्यूचर्स 1त्न से ज्यादा उछलाअमेरिकी मार्केट के फ्यूचर्स में 10 नवंबर को तेजी दिखी। प्रमुख सूचकांकों के फ्यूचर्स 1 फीसदी से ज्यादा चढ़ गए। इसकी वजह अमेरिकी सरकार शटडाउन खत्म होने के आसार हैं। यूएस सीनेट के कदम से इसके संकेत मिले हैं। भारतीय समय के मुताबिक, दोपहर में एसएंडपी 500 फ्यूचर्स करीब 0.8 फीसदी ऊपर था, जबकि नैस्डेक 100 फ्यूचर्स करीब 1.3 फीसदी ऊपर था।

पिछले 40 दिनों से ठप पड़ा है सरकार का कामकाज

अमेरिकी सरकार के 30 जनवरी तक के खर्च को मंजूरी देने के प्रस्ताव के समर्थन में 60 सीनेटर्स ने वोट किए, जबकि 40 ने इसका विरोध किया। इससे शटडाउन खत्म होने की उम्मीद बढ़ी है। पिछले करीब 40 दिनों से अमेरिकी सरकारका कामकाज ठप पड़ा है। यह अमेरिकी के इतिहास में सबसे बड़ा गवर्नमेंट शटडाउन है। बताया जाता है कि कुछ डेमोक्रेट्स ने इस बिल का समर्थन किया है। इससे अमेरिका में चल रहा राजनीतिक गतिरोध खत्म हो जाने की उम्मीद है।

जापान में 6.7 की तीव्रता वाले भूकंप से कांपी धरती, लोगों में अफरातफरी, सुनामी का अलर्ट जारी

जापान ,एजेंसी।

जापान में एक बार फिर से भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। जापान में रविवार शाम पांच बजकर तीन मिनट पर 6.7 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद इवाते प्रांत में सुनामी का अलर्ट जारी कर दिया गया है। जापानी मीडिया के अनुसार शाम को तट पर आए 6.7 तीव्रता के भूकंप के बाद इवाते में सुनामी की चेतावनी जारी की गई। जापानी मीडिया की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, इवाते प्रांत के ओफुनाटो शहर में तटीय क्षेत्रों के 2,825 घरों को खाली करने का आदेश दिया गया है। इसके साथ ही इन घरों में रहने वाले 6,138 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का निर्देश जारी किया है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, शाम 5~39 बजे इवाते के ओफुनाटो बंदरगाह में 10

सेंटीमीटर की सुनामी देखी गई। शाम 5:12 बजे इवाते के तट से 70 किलोमीटर दूर एक कमजोर सुनामी देखी गई।

जापान में सुनामी संबंधी चेतावनी में 1 मीटर तक की लहरों की आशंका है। वहीं मोरियोका शहर और इवाते के याहाबा कस्बे के साथ-साथ पड़ोसी मियागी प्रान्त के वाकुया कस्बे में इस भूकंप की तीव्रता 4 मापी गई।

CMYK

हसदेव नदी में साढ़े 48 लाख रूपये के घाट निर्माण की रखी आधारशिला

निगम के सर्वमंगला जोन के वार्ड क्र. 62 एवं 65 में साढ़े 76 लाख रूपये के विकास कार्यो का भूमिपूजन किया उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने

कोरबा । प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड क्र. 62 स्थित सर्वमंगला मंदिर के समीप हसदेव नदी में 48 लाख 53 हजार रूपये की लागत से निर्मित होने जा रहे घाट व पहुंच मार्ग निर्माण की आज आधारशिला रखी, उक्त महत्वपूर्ण स्थल पर नागरिकों की घाट निर्माण की बहुप्रतीक्षित मांग उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन की पहल पर पूरी हुई, तो वहीं उक्त कार्य सहित वार्ड क्र. 62 व 65 में कुल साढ़े 76 लाख रूपये की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यो का भूमिपूजन उद्योग मंत्री श्री देवांगन के द्वारा किया गया।

नगर पालिक निगम कोरबा के सर्वमंगलानगर जोनांतर्गत वार्ड क्र. 62 में सर्वमंगला मंदिर के समीप हसदेव नदी पर घाट निर्माण की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हुई। उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने साढ़े 48 लाख रूपये की लागत से निर्मित होने जा रहे उक्त घाट व पहुंच मार्ग निर्माण की आधारशिला रखी, कार्यक्रम में महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के साथ ही नमामि सेवा समिति के प्रमुखजन श्री चन्द्रकिशोर श्रीवास्तव, श्री रणधीर पाण्डेय, मनोज लहरे, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन, भानुमति जायसवाल, आरती लखन साहू, रामाधार पटेल, प्रेम साहू आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने घाट निर्माण कार्य स्थल का जायजा लिया तथा पूरी गुणवत्ता के साथ कार्य करते हुए समयसीमा में घाट का निर्माण पूरा किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। मंत्री श्री देवांगन ने इस मौके पर कहा कि विभिन्न धार्मिक अवसरों व त्यौहारों जैसे छठ पर्व, दीपावली, देव दीपावली, महाशिवरात्रि, कनकेश्वर धाम यात्रा आदि अवसरों पर श्रद्धालुओं व आमनागरिकों को पूजा पाठ, स्नान, दान व जल एकत्रित करने में यहॉ पर असुविधा होती थी, नागरिकों द्वारा लंबे समय से घाट निर्माण की मांग की जा रही थी, यह मेरा सौभाग्य है कि आज मेरे हाथों घाट निर्माण के कार्य का शुभारंभ हो रहा है तथा देवतुल्य जनताजनार्दन की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हो रही है।

सुशासन व पूर्ण विकसित छत्तीसगढ़ बनाने पर हो रहा तेजी से कार्य - उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने अपने उद्बोधन में आगे कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में राज्य सरकार प्रदेश में सुशासन स्थापित करने व छत्तीसगढ़ को सम्पूर्ण विकसित राज्य बनाने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है, उन्होने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जैसा सशक्त नेतृत्व हमारे देश को मिला है, जिनके मार्गदर्शन में सम्पूर्ण देश के साथ-साथ हमारा छत्तीसगढ़ भी विकास की दिशा में तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है, उन्होने कहा कि विगत 11 वर्षो के दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विश्व पटल पर भारत को जो प्रतिष्ठा व सम्मान दिलाया है, वह हम सबके लिए गर्व का विषय है। श्री देवांगन ने अपने महापौर कार्यकाल में बहाई थी विकास की गंगा - इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन जब नगर पालिक निगम कोरबा के महापौर थे, तो उन्होने निगम के सभी वार्डो, बस्तियों, पारों, मोहल्लों में विकास की गंगा बहाई थी तथा कोरबा के विकास पुरूष के रूप में उनकी पहचान बनी थी, जो आज भी कायम है, हम सब श्री देवांगन के महापौर के कार्यकाल को आज भी याद करते हैं। उन्होने कहा कि विगत कुछ वर्षो में क्षेत्र विकास में पिछड़ गया था किन्तु अब उद्योग मंत्री श्री देवांगन के मार्गदर्शन में पुनः तेजी से विकास हो रहा है, मैं विश्वास दिलाती हूँ कि क्षेत्र की जनता ने जो भरोसा हम पर जताया है, उस भरोसे को कभी टूटने नहीं दिया जाएगा।

साढ़े 76 लाख के विकास कार्यो का शुभारंभ - उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने वार्ड क्र. 62 अंतर्गत सर्वमंगला मंदिर के समीप हसेदव नदी में साढ़े 48 लाख रूपये की लागत से बनने जा रहे घाट व पहुंच मार्ग निर्माण के साथ-साथ वार्ड क्र. 62 के ही दुरपा स्थित माध्यमिक शाला में 17 लाख रूपये की लागत से नवीन भवन के निर्माण कार्य एवं वार्ड क्र. 65 आनंदनगर में दिलीप साहू के घर से जीवन साहू के घर के पास एवं पोतन मन्नेवार गली तक 11 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी किया।

अमित बघेल की गिरफ्तारी के लिए अग्रवाल और सिंधी समाज ने प्रशासन को 72 घंटे का दिया अल्टीमेटम

रायपुर। महापुरुषों के प्रति अपमानजनक टिप्पणी मामले में छत्तीसढ़िया क्रांति सेना और जोहार पार्टी के नेता अमित बघेल के खिलाफ एफआईआर के बाद गिरफ़्तारी की मांग तेज हो गई है. अग्रवाल समाज और सिंधी समाज के वक्ताओं ने महाधरना आंदोलन के दौरान अमित बघेल के खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग को लेकर 72 घंटे का अल्टीमेटम दिया है. वहीं पुलिस ने भी अमित बघेल की गिरफ्तारी की कवायद तेज कर दी है. खबर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की भी है. जानकारी के मुताबिक, गुरुवार को चक्काजाम आंदोलन के बाद पुलिस ने सुंदरनगर में सर्व छत्तीसढ़िया समाज की बैठक पर नजर रखी लेकिन वहां अमित बघेल नजर नहीं आए. शुक्रवार को भी एक बैठक के आयोजन की खबर पुलिस को लगी लेकिन वहां भी कोई जानकारी नहीं मिली. अमित बघेल की गिरफ्तारी को लेकर एसीएसीयू क्राइम ब्रांच की टीम भी छापेमारी की खबर है. इधर गुरुवार को बैठक में अमित बघेल के खिलाफ एफआईआर के विरोध, केस वापस लेने के लिए मुख्यमंत्री से मुलाकात और सामाजिक सौहार्द्र के लिए कृतसंकल्प होने से संबंधित तीन सूत्रीय प्रस्ताव पारित करने वाले सर्व छत्तीसढ़िया समाज के बैनर तले शुक्रवार को भी बैठक हुई. प्रदेश स्तरीय महारैली का आयोजन करने पर विचार की चर्चा है. फिलहाल इसे लेकर तारीख तय नहीं हो सकी है।

गौवंश संरक्षण के लिए कोरबा में गौ सेवा समिति की पहली बैठक संपन्न

कोरबा । छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग रायपुर के मार्गदर्शन में कोरबा जिले की गौ सेवा समिति की प्रथम बैठक जिला अध्यक्ष श्री विनय सिंह राठिया की अध्यक्षता में उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं, जिला कोरबा के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक का संचालन प्रभारी उपसंचालक डॉ. मयंक गोस्वामी ने किया।

बैठक में प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना अंतर्गत गौवंश के संरक्षण और संवर्धन हेतु ÷गौ सेवा धाम÷ संचालित करने के प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा की गई। योजना के तहत प्रत्येक विकासखंड में 10 गौ सेवा धाम संचालित किए जाएंगे, जिनमें घूमंतू एवं निराश्रित गौवंशों को सुरक्षित रखा जाएगा। इसके लिए जिला एवं विकासखंड स्तर पर गौ सेवा समितियों का गठन किया गया है, जिनमें सरकार के प्रतिनिधियों सहित अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति पशुधन विकास विभाग द्वारा की गई है।

बैठक में जिला समिति के अध्यक्ष श्री विनय सिंह राठिया ने कहा कि सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना को धरातल पर उतारने के लिए प्रथम चरण में गौ सेवा धाम हेतु स्थल चिन्हांकन किया जाएगा। इसके संचालन के लिए स्वयंसेवी समूहों की वास्तविक स्थिति और निर्धारित मापदंडों पर पशुधन विकास विभाग की चिकित्सकीय टीम द्वारा शीघ्र प्रतिवेदन तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस योजना के प्रति उदासीनता या नकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने वाले किसी भी विभागीय अमले के प्रति सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रथम चरण में राष्ट्रीय एवं प्रदेश राजमार्गों के निकट स्थित गौठानों को प्राथमिकता देते हुए चयन करने के निर्देश दिए गए हैं। इस योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, नगर निगम आयुक्त, अनुविभागीय अधिकारी एवं जिला पंचायत सीईओ को समिति में सदस्य बनाया गया है ताकि संचालन में किसी भी प्रकार की बाधा न आए। अन्य जिलों की तरह कोरबा में भी शीघ्र समन्वय बैठक आयोजित कर कार्यक्रम को गति देने पर बल दिया गया।

बैठक में जिला समिति के सदस्य श्री विजय अग्रवाल, श्री रामशरण तंवर, श्री देवी गोपाल, श्री शिवप्रकाश, करतला खंड अध्यक्ष श्री मारुति पटेल, कटघोरा खंड अध्यक्ष श्री गुरमीत सिंह सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी प्रतिनिधियों ने इस योजना को सफल बनाने के लिए पूर्ण समर्पण और ऊर्जा के साथ कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

फसल बीमा की राशि अपने पिता के खाते में डलवा ली कृषि विस्तार अधिकारी ने

जगदलपुर । बस्तर जिले के किलेपाल विकासखंड अंतर्गत बिरगाली क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारी मुन्ना बघेल पर किसानों की प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की राशि झड़पने के गंभीर आरोप लगे हैं। आरोप है कि उन्होंने किसानों के लिए प्राप्त फसल बीमा के 4.5 लाख रुपए अपने पिताजी के खाते में जमा करवा लिए हैं। आरोप है कि कृषि विस्तार अधिकारी ने कुछ लोगों के साथ मिलकर फर्जीवाड़ा करते हुए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लगभग 25 लाख रुपए डकार लिए हैं। ऐसा कृत्य क्षेत्र के पुसेम, बिरगली, ढोकम में ज्यादा किया गया है। जब इस संबंध में कृषि विस्तार अधिकारी मुन्ना बघेल से पूछा गया तो वे उल्टा सवाल करने लगे कि हम सरकार का नहीं बीमा कंपनी का पैसा खाए हैं। इससे आपको या किसानों को क्या करना है? बताते हैं कि ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी मुन्ना बघेल ने किसानों जमीन के पट्टों के आधार पर उन किसानों के नाम प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में जुड़वा लिए थे। इसके बाद किसानों की फसल की फर्जी क्षति की रिपोर्ट लगा कर बीमा क्लेम की पूरी राशि अपने पिता श्याम लाल बघेल के खाते जमा करवा ली। उन्होंने अपने अन्य साथियों के नाम से भी पैसे डलवा लिए हैं। पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि एक बीमा का पैसा मैंने जमा किया है, सरपंचों व किसानों से हस्ताक्षर करवा के। जब इस संबंध में बिरगाली सरपंच कुमली पोयम व पती बिजलु, मुतनपाल सरपंच ईश्वर मुचाकी, सांगेल सरपंच रूपा मुचाकी, लालगुड़ा सरपंच रूकनाथ मंडावी, मुसकोंटा सरपंच कामनी मुचाकी से पूछा गया।

ईपीएफओ ने दी प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना की विस्तृत जानकारी

रायपुर । कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर द्वारा आज जांजगीर-चांपा जिले में उद्योग संघों एवं नियोक्ताओं की उपस्थिति में उद्योग आउटरीच बैठक एवं प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना पर जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मेसर्स प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड, चांपा के सनराइज़ हॉल में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री जयवदन इंगले, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-प्रथम, रायपुर ने की। उन्होंने उपस्थित उद्योग प्रतिनिधियों एवं नियोक्ताओं को प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के उद्देश्य, पात्रता एवं लाभों के साथ-साथ कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की विभिन्न डिजिटल सेवाओं की जानकारी विस्तारपूर्वक प्रदान की। श्री इंगले ने बताया कि प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के अंतर्गत नए रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए नियोक्ताओं एवं कर्मचारियों दोनों को प्रोत्साहन लाभ प्रदान किए जाएंगे। इसके साथ ही, श्वद्बश्चद्यश्4द्दद्य’ श्वठ्ठह्ल्श्वद्यद्बद्दठ्ठह्ल ष्टड्डद्बश्चड्डद्बद्दठ्ठ के माध्यम से पूर्व में अपंजीकृत कर्मचारियों को पंजीकृत कर उन्हें सामाजिक सुरक्षा लाभों के दायरे में लाने की दिशा में संगठन सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में कोसा सिल्क, इस्पात, निर्माण एवं अन्य औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े उद्योग प्रतिनिधियों एवं नियोक्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक के पश्चात ईपीएफओ अधिकारियों द्वारा कोसा सिल्क उत्पादन इकाई का भ्रमण किया गया, जहां श्रमिकों को भविष्य निधि से संबंधित जानकारी दी गई और उत्पादन प्रक्रिया का अवलोकन किया गया। यह आयोजन उद्योग जगत और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के मध्य सहयोग, संवाद और विश्वास को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ, जिसने क्षेत्र में रोजगार संवर्धन और सामाजिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता को नई दिशा प्रदान की।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती : लौह पुरुष की 150वीं जयंती पर रामाराम से सुकमा बस स्टैंड तक निकली भव्य पदयात्रा

यूनिटी मार्च' में उमड़े 700 से अधिक लोग

बस्तर सांसद महेश कश्यप ने किया नेतृत्व

सुकमा । लौह पुरुष एवं देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आज सुकमा जिला राष्ट्रीय एकता के रंग में सराबोर हो गया। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित 'यूनिटी मार्च' में सांसद महेश कश्यप के नेतृत्व में 700 से अधिक लोगों ने लगभग 15 किलोमीटर की पदयात्रा कर एकता और अखंडता का सशक्त संदेश दिया। इस भव्य मार्च का शुभारंभ प्राथमिक शाला रामाराम से विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। स्कूली बच्चों ने देशभक्ति गीतों से सांसद महेश कश्यप का स्वागत किया। यहाँ से शुरू हुई पदयात्रा देवगुड़ी रामाराम, बोरगुड़ा, मुयारास और गोंगला होते हुए बस स्टैंड सुकमा पहुँची, जहाँ कार्यक्रम का समापन किया गया। यह मार्च केवल एक पदयात्रा नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकार का प्रतीक भी बना।

स्वच्छता का संदेश

सांसद कश्यप और अन्य प्रतिभागियों ने रामाराम मंदिर परिसर में रुककर साफ सफाई की और स्वच्छता का संदेश दिया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ

यात्रा मार्ग में स्कूली छात्रों ने सरदार पटेल के जीवन पर आधारित प्रेरणादायक नुक्कड़ नाटक और राष्ट्रीय एकता पर विशेष नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।

स्वास्थ्य शिविर

गोंगला में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाया गया, जिसका लाभ ग्रामीणों ने उठाया। इसके साथ ही संपूर्ण यात्रा के दौरान आपात स्थिति से निपटने के लिए एम्बुलेंस की व्यवस्था भी की गई थी।

सरदार पटेल ने देश को एक किया: सांसद कश्यप

कार्यक्रम में उपस्थित विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए सांसद महेश कश्यप ने कहा आज हम यहाँ केवल एक पदयात्रा के समापन पर एकत्र नहीं हुए हैं, बल्कि हम भारत की एकता के महानायक, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए जुटे हैं। देश में एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए सरदार वल्लभ भाई पटेल ने जो प्रयास किया, वह अतुलनीय है।

भारतीय मजदूर संघ और इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस के सदस्यों ने ली ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस की सदस्यता

कोरबा। कोरबा-पश्चिम दीपका परियोजना अंतर्गत गेवरा स्थित एटक वर्कर्स क्लब में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में भारतीय मजदूर संघ और इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस से जुड़े कई पदाधिकारियों और श्रमिकों ने ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर करीब 120 श्रमिकों ने एटक संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ ली। कार्यक्रम में कोरबा क्षेत्र की विभिन्न खदान परियोजनाओं से बड़ी संख्या में कोयला मजदूर उपस्थित थे। मंच पर एटक के राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय पदाधिकारियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एटक के केंद्रीय अध्यक्ष कन्हैया सिंह ने की। उनके साथ मंच पर केंद्रीय महामंत्री अजय विश्वकर्मा, केंद्रीय उप महामंत्री बी. धर्मा राव गेवरा क्षेत्रीय सचिव एवं केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष दीपक उपाध्याय, हसदेव क्षेत्र के डी.एन. सिंह, कुसमुंडा क्षेत्र के सचिव अजीत सिंह, हसदेव क्षेत्र के प्रमोद तिवारी तथा अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कोरबा क्षेत्र के सक्रिय पदाधिकारी विनोद कुमार यादव, जीत सिंह (अध्यक्ष दीपका क्षेत्र), गोपाल यादव (कार्यवाहक अध्यक्ष एटक), सत्येंद्र मिश्रा, ज्ञानेंद्र द्विवेदी, बी.एल. यादव, रामनारायण राजवाड़े, सुरेंद्र स्वर्णकार, संतोष पटेल, योगेश साहू, भारत लाल साहू, किशोर राजपूत, ई.वी.एम. गभेल और भीम खरे सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद थे। एटक की सदस्यता ग्रहण करने वाले प्रमुख पदाधिकारियों में बीएमएस से अजय राठौर और इंटक से रामकुमार कौशिक शामिल रहे। इन दोनों ने अपने साथियों सहित लगभग 120 कोयला कर्मियों को एटक से जोडने में भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान एटक केंद्रीय अध्यक्ष कन्हैया सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि 'एटक मजदूरों की असली आवाज है। आज देशभर में श्रमिक अधिकारों पर जो चुनौतियां हैं, उनका मुकाबला केवल एकजुट होकर ही किया जा सकता है। एटक मजदूरों की लड़ाई सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों स्तरों पर मजबूती से लड़ रहा है। जो साथी आज हमारे साथ जुड़े हैं, वे श्रमिक आंदोलन की नई ताकत बनेंगे।' उन्होंने आगे कहा कि एटक संगठन सदैव श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा और उनके सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए समर्पित रहा है। एटक से जुडना सिर्फ संगठन परिवर्तन नहीं, बल्कि 'श्रमिक चेतना और एकता का संकल्प' है। केंद्रीय महामंत्री अजय विश्वकर्मा ने कहा कि कोरबा जैसे औद्योगिक जिलों में श्रमिकों के हितों की रक्षा हेतु एकजुटता समय की मांग है। उन्होंने कहा कि एटक का उद्देश्य किसी के विरोध में नहीं बल्कि मजदूर हितों के समर्थन में मजबूत मंच तैयार करना है।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा डीएलएड ब्लू प्रिंट निर्माण कार्यशाला संपन्न

कोरबा। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर एवं परख, एनसीईआरटी नई दिल्ली के संयोजन में शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के मंशानुरूप राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत पूरे भारत देश में सभी बोर्डो की परीक्षा प्रश्नपत्रों में एकरूपता लाये जाने की पहल की जा रही है।

इसी अनुक्रम में छ.ग. मा.शि.मंण्डल अध्यक्ष श्रीमती रेणु जी. पिल्ले के संरक्षण एवं सचिव श्रीमती पुष्पा साहू के आदेशानुसार, एनसीईआरटी नई दिल्ली, परख विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. इन्द्राणी भादुरी के निर्देशन पर उपसचिव विद्योचित डॉ. बी. रघु के मार्गदर्शन में एवं श्रीमती प्रीति शुक्ला प्रभारी उपसचिव प्रशासनिक के सहयोग से 29 से 31 अक्टूबर को तीन दिवसीय डी.एल.एड. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के ब्लूप्रिंट निर्माण प्रशिक्षण सह-कार्यशाला मंडल कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। विषय प्रवेश के पूर्व शिक्षा के उद्देश्यों पर प्रासंगिक चर्चा की गई। पाठ्यक्रम का ज्ञान, प्रश्न पत्र निर्माण एवं मॉडरेशन पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रदीप कुमार साहू, श्रीमती मनीषी सिंह, श्रीमती शिवा सोमवंशी, श्रीमती अलका जैन, अहर्लिश पॉल, डॉ. रीता चैबे, डॉ. माधुरी बोरेकर ने प्रशिक्षण प्रदान करते हुए कार्यशाला सह प्रशिक्षण के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुणवत्तायुक्त प्रश्नपत्र निर्माण करने के लिए ब्लूप्रिंट का ज्ञान व जानकारी आवश्यक है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत डी.एल.एड. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के नवीन ब्लू प्रिंट 06 डोमेन के आधार पर ज्ञानात्मक अंतर्गत परिभाषा, सिद्धांत, तथ्यों को पहचानना, सूचना इत्यादि पर आधारित स्मरण क्षमता पर आधारित प्रश्न, अवबोधात्मक के अंतर्गत अर्थ, व्याख्या, अंतर स्पष्ट करना, वैचारिक समझ, भावानुवाद, अनुप्रयोगात्मक अंतर्गत उदाहरण सहित, संदर्भ और समझ के आधार पर दी गई नयी परिस्थिअतियों को समझना, सिद्धांत के समाधान, हल निकालना, विश्लेषणात्मक के अंतर्गत वर्गीकृत, तुलनात्मक, व्याख्या विभिन्न स्त्रोंतों पर आधारित विशेष जानकारी को समाहित करना, एकीकरण, सुसंगठित, करना, अंतर, मूल्यांकन के अंतर्गत मूल्यांकन करना, समीक्षा करना, मूल्य निर्धारण, निष्कर्ष निकालना, चयन करना, तर्क आधारित, रचनात्मक अंतर्गत सृजन करना, पूर्वानुमान, योजना बनाना, परिकल्पना करना, संगठित करना के आधार पर नया ब्लूप्रिंट तैयार किया गया। प्रशिक्षण में ब्लूप्रिंट अवधारणा, शैक्षिक उद्देश्यों पर आधारित प्रश्न एवं प्रश्नों के प्रकार, संतुलित प्रश्नपत्र निर्माण के सोपान, शैक्षिक उद्देश्यों आधारित अपने विषय के प्रश्नों का निर्माण किया। एक लंबे अंतराल के बाद छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल में डी.एल.एड. पाठ्यक्रम के लिए इस तरह की ब्लूप्रिंट निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई।

डाइट कोरबा से व्याख्याता श्रीमती जसप्रीत कौर फ्लोरा ने डी.एल.एड. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के अंग्रेजी विषय एवं व्याख्याता श्रीमती रिंकू लोध ने शालेय संस्कृति, विकास एवं नेतृत्व विषय के ब्लूप्रिंट निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।इस प्रकार डीएलएड की पृथक

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा पहुंचे गीदम के साप्ताहिक बाजार

स्थानीय ग्रामीणों ने नक्सल भय से मुक्ति पर जताया आभार

रायपुर । उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा आज अपने बस्तर संभाग के दौरे के दौरान गीदम पहुंचे, जहां उन्होंने स्थानीय साप्ताहिक बाजार का दौरा किया। अपने सहज और मिलनसार स्वभाव के लिए प्रसिद्ध शर्मा ने बाजार में घूमते हुए ग्रामीणों और व्यापारियों से आत्मीय बातचीत की तथा उनके हाल-चाल पूछे। बाजार में मौजूद स्थानीय व्यापारियों ने उपमुख्यमंत्री से चर्चा करते हुए बताया कि शासन की नीतियों से अब व्यापार में सुगमता आई है। उन्होंने कहा कि जीएसटी दरों में कमी से सामान सस्ते हुए हैं, जिससे उपभोक्ताओं और व्यापारियों दोनों को राहत मिली है। व्यापारियों ने यह भी कहा कि अब नक्सल भय समाप्त होने से वे निडर होकर बाजारों में अपना व्यापार कर पा रहे हैं, और ग्रामीणों तक सही कीमत पर आवश्यक वस्तुएं पहुंच रही हैं। ग्रामीणों ने भी उपमुख्यमंत्री शर्मा के समक्ष शासन द्वारा नक्सल समस्या के समाधान के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अब शांति और विकास की नई सुबह दिखाई दे रही है। नक्सली विचारधारा से भटके युवा अब मुख्यधारा में लौट रहे हैं, जिससे बस्तर में स्थायी शांति की नींव मजबूत हो रही है।

विजय शर्मा ने बाजार भ्रमण के दौरान स्थानीय फलों का स्वाद लिया और जनसाधारण से आत्मीयता से बातचीत की। उन्होंने कहा कि बस्तर के विकास के लिए स्थायी शांति सबसे आवश्यक है, और सरकार इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर बस्तर संभाग आयुक्त डोमेन सिंह एवं पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी भी उपस्थित रहे।

किराए में फ्लैट ले रखा था वांटेड अपराधी वीरेंद्र तोमर, ग्वालियर के विंडसर हिल्स को बना रखा था सुरक्षित ठिकाना

पुलिस की लगातार दबिश के बावजूद दोनों भाइयों ने गिरफ्तारी से बचने के लिए कानूनी दांव-पेच अपनाए

रायपुर। रायपुर की पुरानी बस्ती पुलिस ने 2 जून से फरार चल रहे सूदखोर वीरेंद्र तोमर को ग्वालियर के विंडसर हिल्स सोसायटी से गिरफ्तार किया गया है। जहां वह बरमूडा में घूम रहा था। वह एक फ्लैट किराए पर लेकर रह रहा था। क्राइम ब्रांच और पुरानी बस्ती थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में आरोपी वीरेंद्र को पकड़ा है। उसके खिलाफ मारपीट, हत्या की कोशिश, जबरन वसूली, सूदखोरी और अन्य गंभीर अपराधों के कई मामले दर्ज हैं। पुलिस उसे आज 12 बजे क्राइम ब्रांच लेकर पहुंच रही है और उसके बाद अवकाशकालीन कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। उसका भाई रोहित फरार है। जानकारी के अनुसार, वीरेंद्र और उसका भाई रोहित तोमर के खिलाफ तेलीबांधा थाना में कारोबारी ने मारपीट और धमकी देने की शिकायत दर्ज कराई थी। एफआइआर दर्ज होने के बाद दोनों दो जून से फरार चल रहे थे। पुलिस की लगातार दबिश के बावजूद दोनों भाइयों ने गिरफ्तारी से बचने के लिए कानूनी दांव-पेच अपनाए, लेकिन राहत नहीं मिली। हाल ही में हाईकोर्ट ने दोनों की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने इनकी तलाश और तेज कर दी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि वीरेंद्र तोमर के ग्वालियर में छिपा हुआ है। सूचना के आधार पर रायपुर पुलिस ने टीम गठित कर ग्वालियर भेजी। क्राइम ब्रांच ने वीरेंद्र की काल लोकेशन ट्रेस कर घेराबंदी की और अंततः उसे गिरफ्तार कर लिया। दोनों फरार भाइयों की गिरफ्तारी पर एसएसपी डा. लाल उम्मेद सिंह ने पहले ही पांच-पांच हजार इनाम की घोषणा की थी। लंबे समय तक पुलिस को चकमा देने के बाद आखिरकार वीरेंद्र पुलिस के शिकंजे में आ गया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, वीरेंद्र तोमर को पुलिस ने ग्वालियर में उसके एक रिश्तेदार के घर से गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि फरारी के दौरान वह उत्तरप्रदेश और राजस्थान के कई शहरों में छिपता रहा था। हाईकोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने के बाद उसे गिरफ्तारी का भय सताने लगा, जिसके चलते वह ग्वालियर भाग गया था।

युवाओं के नवाचार और तकनीकी प्रतिभा को मिला नया आयाम

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर में नवाचार, तकनीकी उत्कृष्टता और युवाओं की रचनात्मकता का संगम 'कोडउत्सव 9.0' राष्ट्रीय स्तर की कोडिंग हैकथॉन के रूप में देखने को मिला। ट्यूरिंग क्लब ऑफ प्रोग्रामर्स (टीसीपी) द्वारा आयोजित इस 28 घंटे लंबे आयोजन ने देशभर के तकनीकी संस्थानों से आए 150 से अधिक विद्यार्थियों को एक मंच पर लाकर नवाचार और समस्या समाधान की दिशा में नई प्रेरणा दी। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. गौरव कुमार सिंह, जिला कलेक्टर, रायपुर तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री कुमार विश्वरंजन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, रायपुर उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. एन. वी. रमना राव, निदेशक, एनआईटी रायपुर ने की। इस अवसर पर डॉ. समीर बाजपेयी, प्रमुख, कैरियर डेवलपमेंट सेंटर (सीडीसी), संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित थे। आयोजन का संचालन डॉ. पवन कुमार मिश्रा, फैकल्टी-इन-चार्ज, ट्यूरिंग क्लब ऑफ प्रोग्रामर्स के मार्गदर्शन में किया गया। अपने संबोधन में डॉ. गौरव कुमार सिंह ने कहा कि तकनीकी उत्कृष्टता के साथ मानवीय मूल्यों का समावेश ही भविष्य की असली शक्ति है। उन्होंने प्रतिभागियों की रचनात्मकता और धैर्य की सराहना करते हुए कहा कि भारत आज तकनीकी क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी सांस्कृतिक जड़ों और नैतिक मूल्यों से जुड़े रहने का आग्रह किया। विशिष्ट अतिथि श्री कुमार विश्वरंजन ने कहा कि सफलता का मूलमंत्र निरंतर प्रयास, जिज्ञासा और सीखते रहने की भावना है। उन्होंने विद्यार्थियों को टीमवर्क और नवाचार के माध्यम से नई तकनीकी संभावनाएँ खोजने के लिए प्रेरित किया। निदेशक, एनआईटी रायपुर, डॉ. एन. वी. रमना राव ने प्रतिभागियों के 28 घंटे के समर्पित प्रयास की सराहना की और कहा कि यह हैकथॉन विद्यार्थियों को कक्षा के ज्ञान को व्यवहारिक रूप में लागू करने का अवसर प्रदान करता है। प्रतियोगिता में टीम '4 ङ्घश्वह्ल' (रूंगटा कॉलेज, भिलाई) ने पहला पुरस्कार ?40,000, टीम 'वाइब कोडर्स' (एनआईटी रायपुर) ने दूसरा पुरस्कार ?30,000, और टीम 'साइफर 0ङ्ग' (एनआईटी रायपुर) ने तीसरा पुरस्कार ?20,000 जीता।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने शहीद देवेन्द्र कुमार सेठिया की प्रतिमा का अनावरण किया

रायपुर। एनटीपीसी सीपत में देश की सबसे बड़ी विद्युत उत्पादक कंपनी, नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड का 51वां स्थापना दिवस उत्साह, गर्व और उल्लास के साथ मनाया गया। समारोह की शुरुआत कार्यकारी निदेशक एवं परियोजना प्रमुख विजय कृष्ण पाण्डेय को केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवानों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान करने से हुई। तत्पश्चात् उन्होंने एनटीपीसी ध्वज फहराकर स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में श्री पाण्डेय ने एनटीपीसी के गौरवशाली 50 वर्षों की यात्रा को स्मरण करते हुए सभी कर्मचारियों को 51वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि एनटीपीसी लिमिटेड आज देशभर में लगभग 108 विद्युत स्टेशनों के माध्यम से करीब 85,000 मेगावाट की स्थापित क्षमता के साथ कार्य कर रही है और देश के हर चौथे बल्ब को रोशन करने में अग्रणी भूमिका निभा रही है। परियोजना प्रमुख ने छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी 2,980 मेगावाट की सीपत सुपर थर्मल पावर परियोजना की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि निर्माणाधीन 800 मेगावाट की स्टेज-3 इकाई का कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि एनटीपीसी सीपत न केवल विद्युत उत्पादन में बल्कि नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व, पर्यावरण संरक्षण और नवाचार के क्षेत्रों में भी सराहनीय योगदान दे रही है। स्थापना दिवस के अवसर पर एनटीपीसी सीपत द्वारा पर्यावरण संरक्षण और हरित भारत के लक्ष्य को साकार करने के उद्देश्य से एक विशेष पौधारोपण अभियान आयोजित किया गया। इस अभियान के अंतर्गत एक ही दिन में कुल 4,000 पौधे लगाए गए, जिनमें से 2,000 पौधे ग्राम करमा में तथा 2,000 पौधे परियोजना परिसर में रोपे गए। इसी अवसर पर 160 किलोवाट क्षमता के रूफटॉप सोलर पैनल का भी शुभारंभ किया गया, जो हरित ऊर्जा के क्षेत्र में एनटीपीसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके साथ ही हाल ही में मनाए गए सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि ने एनटीपीसी सीपत की सफलता में सहयोग दे रहे केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, संगवारी महिला समिति, विभिन्न यूनियन एवं एसोसिएशन, बाल भारती पब्लिक स्कूल, संस्कृति क्लब, वैशाली क्लब, स्टेट बैंक ऑफइंडिया, डाकघर, इंडियन कॉफी हाउस तथा अन्य सहयोगी संस्थाओं के समर्पित योगदान की सराहना की और सभी को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधकगण, विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी, यूनियन एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से केक काटकर स्थापना दिवस का उत्सव मनाया।

बिलासपुर और दुर्ग-भिलाई के डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र कैंप में उमड़ी पेंशनभोगियों की भीड़, पेंशनर्स को मिली

चल रहे डीएलसी 4.0 (2025) में, प्रारंभिक रिपोर्ट रिकॉर्ड स्तर की भागीदारी का संकेत देती है

रायपुर। पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय ने केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों के डिजिटल सशक्तिकरण के दृष्टिकोण के तहत 1 से 30 नवंबर 2025 तक राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र अभियान 4.0 का आयोजन किया। यह अभियान देश भर के 2,000 से अधिक शहरों और कस्बों को कवर करते हुए एक सैचुरेशन अप्रोच अपना रहा है ताकि पेंशनभोगियों को कई डिजिटल माध्यमों से अपना जीवन प्रमाणपत्र जमा करने में सुविधा मिल सके। विभाग 2021 में शुरू की गई आधार-आधारित फेस ऑथेंटिकेशन (चेहरा प्रमाणीकरण) तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देना जारी रखे हुए है, जो पेंशनभोगियों को स्मार्टफोन का उपयोग करके घर बैठे आराम से अपना जीवन प्रमाणपत्र जमा करने में सक्षम बनाता है। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (डाक विभाग) ने अति-वरिष्ठ और दिव्यांग पेंशनभोगियों को डोरस्टेप डीएलसी सेवाएं प्रदान कीं, जबकि बैंकों, पेंशनभोगी संघों और क्षेत्रीय कार्यालयों ने जागरूकता शिविर आयोजित किए और ऑन-साइट सहायता प्रदान की। डीएलसी 3.0 (2024) के दौरान, 50 लाख फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से सहित, 1.62 करोड़ से अधिक डीएलसी जेनरेट किए गए थे। चल रहे डीएलसी 4.0 (2025) में, प्रारंभिक रिपोर्ट रिकॉर्ड स्तर की भागीदारी का संकेत देती है, जिसमें बैंकों, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक, दूरसंचार विभाग, यूआईडीएआई, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, एनआईसी, सीजीडीए, रेलवे और पेंशनभोगी कल्याण संघों के संयुक्त प्रयासों से 2 करोड़ डीएलसी का लक्ष्य प्राप्त होने की उम्मीद है। अभियान के हिस्से के रूप में, श्री मनोज कुमार तिवारी ने 6 नवंबर, 2025 को बिलासपुर में डीएलसी कैंप का दौरा किया और डिजिटल सेवाओं का लाभ उठा रहे पेंशनभोगियों से बातचीत की। डीओपीपीडब्ल्यू के अधिकारियों ने स्ब्ढ्ढ और अन्य बैंकों, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक, दूरसंचार विभाग, यूआईडीएआई, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,, एनआईसी, सीजीडीए, रेलवे और पेंशनभोगी कल्याण संघों के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर पेंशनभोगियों को फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से उनके डीएलसी जेनरेट करने में सहायता की और उन्हें इस प्रक्रिया के बारे में शिक्षित किया। कलेक्ट्रेट शाखा, एसईसीएल शाखा, रेलवे कॉलोनी शाखा, मुख्य शाखा बिलासपुर और सरकंडा शाखा में शिविर आयोजित किए गए, जिन्हें उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया और व्यापक स्थानीय भागीदारी प्राप्त हुई। साथ ही 7 नवंबर, 2025 को श्री मनोज कुमार तिवारी ने चल रहे डीएलसी 4.0 पहल की प्रगति की समीक्षा करने के लिए भिलाई और दुर्ग में कई एसबीआई शाखाओं जैसे भिलाई मुख्य शाखा, दुर्ग मुख्य शाखा, भिलाई 3 शाखा, कुम्हारी शाखा, रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन भिलाई 3 का दौरा किया और प्रधान डाकघर भी गए। अपनी यात्रा के दौरान, श्री तिवारी ने पेंशनभोगियों और बैंक कर्मचारियों के साथ बातचीत की, उनकी भागीदारी, तत्परता और इस उद्देश्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की। दैनिक प्रगति को एनआईसी डीएलसी पोर्टल के माध्यम से ट्रैक किया गया, जिससे बैंकों और विभागों द्वारा जेनरेशन के आँकड़ों की रीयल-टाइम निगरानी संभव हो सकी। विभाग डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र अभियान जैसे निरंतर प्रौद्योगिकी-संचालित सुधारों के माध्यम से पेंशनभोगियों के लिए ईज ऑफ लिविंग और डिजिटल सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है।

अतिथियों ने की छत्तीसगढ़ की मेहमाननवाजी की प्रशंसा

रायपुर । बेल्जियम से आए पर्यटकों के एक दल ने कोंडागांव स्थित धनकुल एथनिक रिजॉर्ट का भ्रमण किया। बस्तर की जनजातीय संस्कृति और जीवनशैली को नजदीक से जानने पहुंचे इन पर्यटकों ने रिजॉर्ट में स्थित ट्राइबल म्यूजियम का अवलोकन कर किया। आदिवासी कला, परंपराओं और जीवन दर्शन पर आधारित इस रिजॉर्ट की विशिष्ट थीम ने विदेशी मेहमानों को बेहद प्रभावित किया। अतिथियों का पारंपरिक शैली में गुड़हल के फूलों की चाय से स्वागत किया गया। बस्तर के घने जंगलों, हरियाली और जनजातीय संस्कृति को देखकर उन्होंने कहा कि यह अनुभव उनके लिए अविस्मरणीय रहेगा। पर्यटकों ने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं था कि आज की दुनिया में भी प्रकृति, जनजातीय संस्कृति और पर्यावरण का इतना जीवंत संगम कहीं देखने को मिल सकता है। उन्होंने पूरे बस्तर क्षेत्र को गहराई से एक्सप्लोर करने की इच्छा जताई और बताया कि वे बार-बार यहां लौटना चाहेंगे।

चोरी करने वाले 2 बांग्लादेशी नागरिक लाखों के सामान के साथ गिरफ्तार, शहर में चोरी करने वाला अंतर्राजीय गिरोह बस्तर पुलिस की गिरफ्त में

जगदलपुर। बस्तर जिले के सनसिटी, धरमपुरा महावीर नगर, धरमपुरा, कंगोली, नाईकगुड़ा बस्तर, बोधघाट थाना क्षेत्र में हो रही चोरी के आरोपी को पकड़ने में बस्तर पुलिस को मिली सफलता।

जप्त सामग्रीः-

सोने हार -01 नग, सोने का चैन-01 नग, सोने का लॉकेट-01 नग, नोज पिन-02 नग कान का टॉप्स-01 नग, सोने का कंगन-01 जोड़ी, सोने की अंगूठी- 01 नग, सोने की बाली-01 जोड़ी, चांदी की पायल-03 जोड़ी, चांदी का कंगन (छोटा)-01 जोड़ी नगदी-700 रू., एचएमटी का हाथ घड़ी-01 नग, ब्लूटूथ ईयरबट - 01 नग, झालर लाईट (ब्लू कलर)-01 नग, एक नग डीवीआर सोने की हार-02 नग, कान का टॉप्स-01

नग, सोने की अंगूठी - 04 नग, सोने का कंगन-01 जोड़ी, चांदी का पायल-02 जोड़ी। सोने की हार-01 नग, सोने का झुमका-01 जोड़ी, सोने का मंगलसूत्र-03 पत्ती वाला, सोने का फुल्ली - 02 नग सोने का अंगूठी-02 नग, चांदी का पायल-03 जोड़ी नगदी-50 रू. का नोट 04 बंडल, नगदी-20 रू. का नोट 09 बंडल, नगदी-10 रू. का नोट 03 बंडल, 93000 (500ग्186)रूपये नगद। कान का टॉप्स-01 जोड़ी, सोने की अंगूठी - 01 नग, चांदी का सिक्का-01 नग चांदी का पायल-02 जोड़ी।। प्रार्थी के द्वारा रिपोर्ट किया गया की उनके घर में रात्रि में प्रवेश कर घर में रखे सोना चांदी के जेवर एवं नगदी रकम को अज्ञात चोरी कर ले गये हैं कि रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना किया जा रहा था। बस्तर एसपी शलभ कुमार सिन्हा के द्वारा जिले में हो रहे लगातार चोरी को गंभीरता से संज्ञान लेते हुए आरोपियों के पता तलाश हेतु टीम गठित किया गया। एएसपी महेश्वर नाग, सीएसपी सुमित कुमार एवं उप पुलिस अधीक्षक साइबर श्रीमती गीतिका साहु के निर्देशन में सभी चोरी के वारदातों का बारीकी से विश्लेषण किया गया एवं सभी घटना स्थलों के आस-पास का सीसीटीवी फुटेज प्राप्त किये गये, आरोपियों द्वारा चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद घर में लगे सीसीटीवी फुटेज डीव्हीआर को साथ निकाल कर ले जाया गया था और तालाब में फेंक देते थे। जिसे बस्तर पुलिस ने तालाब से जप्त किया। जांच में सभी घटनायें एक ही तरीका वारदात से होना पाया गया। घटना स्थलों के बिन्दुओं को जोड़ते हुए पुलिस द्वारा यह पाया

27वी सब–जूनियर राष्ट्रीय फेंसिंग चैंपियनशिप, इम्फाल, मणिपुर में छत्तीसगढ़ ने 01 रजत 02 कांस्य पदक सहित कुल 03 पदक प्राप्त कर

छत्तीसगढ़ राज्य को गौरवान्वित किया।

रायपुर । छत्तीसगढ़ वीर कुमार गुप्ता ने एपी व्यक्तिगत मुकाबले में रजत पदक, स्नेहा यादव ने फॉयल व्यक्तिगत मुकाबले में कांस्य पदक तथा एपी टीम इवेंट में कांस्य पदक प्राप्त किया। मणिपुर की राजधानी इंफाल में आयोजित 27 वीं सब ङ्कजूनियर राष्ट्रीय फेंसिंग (तलवारबाजी) प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 03 से 08 नवम्बर 2025 तक सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। जिसमे देश के विभिन्न राज्यों के बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने प्रतिनिधित्व। किया।उक्त प्रतियोगिता के एपी बालक व्यक्तिगत मुकाबले में वीर कुमार गुप्ता ने छत्तीसगढ़ राज्य को रजत पदक दिलाया। वीर कुमार गुप्ता ने अपने व्यक्तिगत मुकाबले में केरला, कर्नाटक , बिहार तथा गुजरात के प्रतिद्वंदी खिलाड़ी को हराते हुए फायनल में प्रवेश किया। फायनल मुकाबले में मणिपुर के प्रतिद्वंदी खिलाड़ी से 9ङ्क15 के स्कोर से हार का सामना करना पड़ा इसी के साथ द्वितीय स्थान पर रहते हुए रजत पदक पर हासिल किया।फॉयल बालिका व्यक्तिगत मुकाबले में स्नेहा यादव ने छत्तीसगढ़ को कस्य पदक दिलाया। स्नेहा यादव ने चंडीगढ़ , पंजाब, हरियाणा, मणिपुर के प्रतिद्वंदी खिलाड़ी को हरा कर सेमीफाइनल में जगह बनाया लेकिन उन्हें सेमीफाइनल में हरियाणा के खिलाड़ी से हार का सामना करना पड़ा तथा तीसरे स्थान में रहते हुए कांस्य पदक से संतुष्ट करना पड़ा।छत्तीसगढ़ को तीसरा एवं अंतिम पदक एपी बालक टीम ने कांस्य पदक के रूप में दिलाया। एपी बालक टीम में वीर कुमार गुप्ता, श्रेयांश गुप्ता, देवाशीष साहू एवं भौमिक यादव ने टीम का प्रतिनिधित्व किया। एपी बालक टीम ने टॉप 16 में दिल्ली की टीम को 15 - 11 से हराकर क्वार्टरफाईनल में प्रवेश किया। क्वार्टरफाईनल में छत्तीसगढ़ ने गुजरात को संघर्षपूर्ण मैच में 45-41 से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल में छत्तीसगढ़ का मुकाबला हरियाणा के साथ खेला गया जिसमे छत्तीसगढ़ को 33-45 से हार का सामना करते हुए कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 01 रजत 02 कांस्य पदक सहित कुल 03 पदक प्राप्त किये।छत्तीसगढ़ राज्य के इन खिलाड़ियों ने बड़े मंच पर अपने दमदार खेल से छत्तीसगढ़ का नाम फिर से गौरांवित किया है। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के 28 सदस्यीय टीम ने भाग लिया जिसके मुख्य कोच शहीद हनुमान सिंह अवॉर्डी व्ही.जॉनसन सोलोमन रहे। छत्तीसगढ़ राज्य की इस उपलब्धि पर सभी खिलाड़ियों को छत्तीसगढ़ प्रदेश फेंसिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री एस.प्रकाश (ढ्ढस्), कार्यकारी अध्यक्ष सुनील रामदास अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजीत सिंह पटेल, महासचिव बशीर अहमद खान, संयुक्त सचिव अखिलेश दुबे निखिल जंबूलकर, कोषाध्यक्ष श्री राम प्रताप गुप्ता प्रशिक्षक व्ही. जॉनसन सोलोमन, प्रवीण कुमार, मोहनीश वर्मा सहित छत्तीसगढ़ प्रदेश फेंसिंग एसोसिएशन एवं विभिन्न खेल संघो के पदाधिकारियों ने शुभकामनाएँ प्रदान करते हुए हार्दिक बधाई दी।

मोवा अंडरब्रिज बायपास बनने से स्टेशन की दूरी होगी कम

रहवासियों ने विधायक से जल्द बायपास बनवाने की मांग की

रायपुर । मोवा ओव्हरब्रिज में सुबह शाम लग रहे जाम से संबंधित क्षेत्र मोवा सड्डू विधानसभा एवं अंबूजा माल के आसपास अनेक कालोनियां बन गई है जिसके चलते कामकाजी लोगों के साथ आने जाने वाले लोगों की संख्या भी रायपुर एवं रायपुर से बाहर लगातार बढ़ते जा रही है। रेलवे स्टेशन जाने के लिए जिन यात्रियों को शार्टकट मार्ग की जानकारी नहीं है उन्हें लंबे समय तक रेलवे स्टेशन पहुंचने में जाम की वजह से समय लगता है जिसके चलते आए दिन कई यात्रियों की ट्रेनें छूटने की जानकारी भी मिली है। वहीं अवंतिबाई लोधी चौक से दोनों ओर सर्विस रोड से जुड़ा अंडरब्रिज जहां लोगों की आवाजाही सुगम बना है वहीं मोवा की ओर खुलने वाला अंडरब्रिज का मार्ग कांपा देवेंद्र नगर की ओर जाता है। इस मार्ग के आसपास काफी सरकारी भूमि खाली है। क्षेत्र के निवासियों जिनमें अजय साहू मीना चंद्राकर विजय गुप्ता एवं हरीश गुप्ता ने रायपुर ग्रामीण के विधायक मोतीलाल साहू एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से उक्त मार्ग को बायपास मार्ग में बदलने के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की है। ज्ञातव्य है कि मोवा अंडरब्रिज के अंतिम चरण से जुड़े उक्त मार्ग के बायपास बन जाने से कांपा होकर देवेंद्र नगर एवं आगे जाने वाले मार्ग का चौड़ीकरण किया जाता है। यात्रियों को रेलवे स्टेशन संबंधित क्षेत्र से आवाजाही करने में जहां सरलता होगी वहीं जाम नहीं लगने की वजह से लोग समय पर अपने गंतव्य स्थान पर पहुंच जाएंगे।

संपादकीय

आतंकियों के मंसूबों पर पानी फेरती सुरक्षा एजेंसी

जिस प्रकार से सुरक्षा एजेंसियों ने हर मोर्चे पर अपनी सफलता का झंडा गाड़ा है वह आतंकियों के मंसूबों पर पानी फेर रही है। गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड ने देश में आतंकी हमले की साजिश को नाकाम कर दिया है। एटीएस ने गांधीनगर के अडालज इलाके से तीन संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है, जिनका संबंध आतंकी संगठन ISIS से बताया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, ये आरोपी देश के विभिन्न हिस्सों में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की तैयारी में थे। एटीएस को कुछ दिनों पहले खुफिया एजेंसियों से इनपुट मिला था कि कुछ लोग गुजरात में आतंक फैलाने की साजिश रच रहे हैं। जानकारी के आधार पर, एटीएस ने एक विशेष अभियान चलाया और संदिग्धों को उनके ठिकानों से गिरफ्तार किया। जांच के दौरान उनके पास से लैपटॉप, मोबाइल फोन, और कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

ऊँचाइयों पर कभी परवाने नहीं होते

ऊँचाइयों पर कभी परवाने नहीं होते,
आसमान पर ठौर-ठिकाने नहीं होते।

कदम सम्भल कर उठाना मेरे दोस्त,
कम खंजर चलाने वाले नहीं होते।

खुद की शोहरत, खुद को ही भाती है,
यहाँ नफ़रत के ठेकेदार कम नहीं होते।

शोहरत चिलचलती धूप बन जाती है
तपिस तेज करने वाले काम नहीं होते।

तपती धूप है कल शीतल छाँव होगी,
हर उठे हूए हाथ विरोध के नहीं होते।

साज़िश, सियासत होंगी तेरे खिलाफ़
इमानदारों के विरोधी कम नहीं होते।

ऊँचाइयों पर ही पेश आती मुश्किलें,
आकाश में छेद आसानीं से नहीं होते ।

कौन कहता, मिट जाती हस्तियाँ मुश्किलों में,
रोशन चिराग़ हवाओं से नहीं होते।

– संजीव ठाकुर

QR CODE SCAN कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन

PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp

Modimaya_ Vaidik_Netritva

Rashtriya Ekta

DLF-Vadra- Bhrasht Tantra

Silent Assassins Jan11,1966

Accursed & Jihadi Neighbour

भागवत की नई दृष्टि और समरस भारत की परिकल्पना

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को प्रायः हिंदूवादी संगठन के रूप में देखा जाता रहा है, परंतु वस्तुतः वह केवल एक धार्मिक या सांप्रदायिक संगठन नहीं, बल्कि भारतीयता और राष्ट्रीयता की जीवंत चेतना का प्रतीक है। संघ की मूल प्रेरणा ÷वसुधैव कुटुम्बकम्÷ के भाव से उपजी है, जो भारत की सनातन संस्कृति की आत्मा है। इसी दृष्टि का विस्तार संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत के हालिया बेंगलुरु वक्तव्य में परिलक्षित हुआ, जब उन्होंने खुले हृदय से कहा कि ÷ईसाई और मुसलमान भी संघ में शामिल हो सकते हैं÷। यह कथन न केवल साहसिक है बल्कि यह नए भारत, विकसित भारत और संतुलित भारत की सोच का परिचायक भी है। संघ में मुस्लिम, ईसाई समेत किसी भी संप्रदाय के लोगों के स्वागत की भागवत के वक्तव्य की व्यापक चर्चा होना स्वाभाविक है। लेकिन यह वक्तव्य संघ की व्यापक सोच का भी परिचायक है और उसके प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए।

मोहन भागवत का यह वक्तव्य संघ की विचारधारा में निहित उस भारतीय दर्शन की पुनः पुष्टि करता है जिसमें धर्म का अर्थ संप्रदाय नहीं बल्कि जीवन-मूल्यों का समुच्चय है। संघ के लिए हिंदुत्व किसी धर्म विशेष का नाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की वह पद्धति है जिसमें समरसता, सह-अस्तित्व, करुणा और राष्ट्रनिष्ठा के तत्व समाहित हैं। यही कारण है कि संघ की दृष्टि में ÷हिंदुत्व÷ का अर्थ भारतीयता है अर्थात् भारत की संस्कृति, परंपरा, इतिहास, संवेदना और जीवनशैली से आत्मीय जुड़ाव। ऐसा नहीं है कि इसके पहले संघ में विभिन्न संप्रदायों के लोगों को आने की अनुमति नहीं थी, यह अनुमति पहले से है और सच तो यह है कि उसके कार्यक्रमों में विभिन्न संप्रदायों के लोग आते भी रहे हैं। इनमें मुस्लिम और ईसाई भी हैं। इस सबके बाद भी धारणा यह भी है कि संघ के कार्यक्रमों में केवल हिंदू संप्रदाय के लोग शामिल होते हैं। इस धारणा का कारण यह है कि हिंदू संप्रदाय को लेकर संघ की अपनी विशिष्ट धारणा और परिभाषा है। उसके अनुसार देश में रहने वाले सभी लोग हिंदू ही हैं, भले ही उनका संप्रदाय और उनकी उपासना पद्धति कुछ भी हो। संघ की ओर से बार-बार यह स्पष्ट किया गया है कि चूंकि इस देश में रहने वाले समस्त लोगों के पूर्वज हिंदू ही थे, इसलिए वह सभी को हिंदू के रूप में देखता, मानता और संबोधित करता है। आखिर इस अवधारणा में कठिनाई क्या है?

संघ के दूसरे सरसंघचालक गुरुजी गोलवलकर ने कहा था, ÷हिंदुत्व केवल धर्म नहीं, वह संस्कृति है, जीवन का एक दृष्टिकोण है।÷ इसी सूत्र को आगे बढ़ाते हुए मोहन भागवत स्पष्ट करते हैं कि हिंदुत्व किसी जाति, भाषा, मज़हब या सीमित परंपरा का नाम नहीं है। संघ यह मानता है कि भारत में रहने वाले सभी लोग, चाहे वे किसी भी पंथ या विश्वास से जुड़े हों, इस धरती के सांस्कृतिक उत्तराधिकारी हैं। इसीलिए वे भारतीय हैं और इस दृष्टि से ÷हिंदू÷ अर्थात् इस भूमि की सभ्यता के उत्तराधिकारी। संघ की दृष्टि में ÷हिंदू÷ शब्द धार्मिक पहचान से अधिक सांस्कृतिक अवधारणा है। यह भारतीय जीवन का पर्याय है, जो समानता, सहिष्णुता और एकात्मता में विश्वास करता है। यही भाव ÷सर्वे भवन्तु सुखिनः÷ और ÷एकं सत् विप्रा बहुधा वदन्ति÷ जैसे मंत्रों में प्रतिध्वनित होता है।

आज की राजनीति में समाज को जाति, धर्म और भाषा के आधार पर बाँटने का जो विषवमन चल रहा है, उससे राष्ट्र की एकात्मता को गहरी चोट पहुँच रही है। संघ का उद्देश्य इस विभाजनकारी मानसिकता के प्रतिरोध में खड़ा होना है। मोहन भागवत का यह वक्तव्य इसी विषहरण की प्रक्रिया का हिस्सा है, एक ऐसी पुकार जो समाज के हर वर्ग को यह विश्वास दिलाती है कि राष्ट्र की आत्मा किसी संकीर्ण धार्मिक पहचान में नहीं, बल्कि साझा सांस्कृतिक चेतना में निहित है। संघ के लिए राष्ट्र ही सर्वोच्च देवता है। इस राष्ट्रभक्ति के केंद्र में धर्मनिरपेक्षता नहीं बल्कि धर्मसम्मतता है अर्थात् ऐसी आस्था जो सभी मतों का सम्मान करती है। इसी भाव से प्रेरित होकर संघ अपने कार्यकर्ताओं को ÷हिंदू समाज की सेवा के माध्यम से समग्र भारतीय समाज की एकता÷ का लक्ष्य देता है।

भागवत का यह संदेश उस भारत की परिकल्पना करता है जिसमें मतभेद तो हो सकते हैं, पर मनभेद नहीं। वे मानते हैं कि ÷जो भी इस भूमि में जन्मा है, उसका पूर्वज कोई न कोई हिंदू ही रहा है।÷ यह कथन ऐतिहासिक नहीं, सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह इस तथ्य की ओर संकेत करता है कि भारत की सभ्यता का मूल एक ही रहा है, जिसने विविध रूपों में विकसित होकर अनेक धर्मों और संप्रदायों को जन्म दिया। इस संदर्भ में भागवत का दृष्टिकोण गांधीजी की उस संकल्पना से मेल खाता है जिसमें उन्होंने कहा था- ÷मेरा हिंदुत्व सबको समेटने वाला है, किसी को बाहर करने वाला नहीं।÷ यही समावेशी भाव राष्ट्र की एकता का आधार बन सकता है। यदि संघ इस पर बल देता है कि उसका उद्देश्य हिंदुओं को संगठित करना है तो इसका अर्थ यही भी है कि वह सभी भारतीयों को संगठित करके एक सशक्त राष्ट्र की परिकज्पना करता है। कठिनाई यह है कि उसके विरोधी यह प्रचारित करने का कोई अवसर नहीं छोड़ते कि वह तो केवल हिंदू समाज का संगठन है। चूंकि यह दुष्प्रचार बड़े पैमाने पर हो रहा है, इसलिए आवश्यक हो जाता है कि संघ के स्तर एवं अन्य स्तरों पर इन देश तोड़क स्थितियों एवं दुष्प्रचार का स्पष्टीकरण होता रहे।

संघ को लेकर फैलायी जा रही यह भ्रांति एवं गुमराह पूर्ण स्थितियों का खुलासा होना जरूरी है कि संघ संप्रदाय विशेष के लोगों को एकजुट करने का कार्य कर रहा है। यदि यह मिथ्या धारणा दूर हो सके तो संघ का कार्य और अधिक आसान एवं सृजनात्मक हो जाएगा, लेकिन यह मानकर चला जाना चाहिए कि संघ के विरोधी उसके बारे में दुष्प्रचार करने में कोई कसर नहीं छोड़ रखी है। जो भी हो, संघ प्रमुख ने यह कहकर एक तरह से अपने विरोधियों और आलोचकों की ओर मित्रता का हाथ बढ़ाया है कि उसके कार्यक्रमों में सभी संप्रदायों के लोग आ सकते हैं, लेकिन केवल भारत माता के पुत्र के रूप में। उनकी इस पहल का सकारात्मक उत्तर दिया जाना चाहिए, उसका व्यापक स्तर पर स्वागत भी होना चाहिए। लेकिन बड़ी विडंबना यह है कि कुछ लोग भारत को माता के रूप में स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं। क्या यह किसी से छिपा है कि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से भारत माता की जय कहने से बचा जाता है? पिछले दिनों इसी संकीर्ण दृष्टि के कारण वंदे मातरम् के विरोध में स्वर सुनाई दिए।

इक्कीसवीं सदी का भारत केवल आर्थिक या तकनीकी महाशक्ति नहीं बनेगा, यदि उसके भीतर मानसिक और सांस्कृतिक एकता का सूत्र न हो। संघ इसी सूत्र को मजबूत करने का कार्य कर रहा है। भागवत का संदेश भारत के बहुलतावाद और धार्मिक विविधता में निहित एकता को स्वीकार करता है। यह एक ऐसा आमंत्रण है जो हर नागरिक को यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि ÷भारतीयता÷ हमारी साझा पहचान है, बाकी सब उपाधियाँ हैं। इस दिशा में संघ का दृष्टिकोण ÷समरस समाज÷ की रचना पर केंद्रित है? ऐसा समाज जहाँ मुसलमान, ईसाई, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी सभी अपने धर्म का पालन करते हुए भी राष्ट्र को अपनी मातृभूमि मानें और भारतीय संस्कृति के गौरव से जुड़ें। मोहन भागवत के बेंगलुरु वक्तव्य ने हिंदुत्व की परिभाषा को एक व्यापक और आधुनिक संदर्भ दिया है। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया है कि संघ का हिंदुत्व किसी के विरुद्ध नहीं, बल्कि सबके लिए है। यह विभाजन नहीं, समन्वय का सूत्र है। यही सच्ची भारतीयता है- जो विविधताओं में एकता को, विरोध में संवाद को और मतभेद में सह-अस्तित्व को स्वीकार करती है। संघ का यह दृष्टिकोण बताता है कि हिंदुत्व का अर्थ किसी पंथ का वर्चस्व नहीं, बल्कि उस जीवनदर्शन का पुनर्जागरण है जिसमें भारत की आत्मा बसती है। यही भाव राष्ट्र को अखंडता, शांति और विकास के पथ पर अग्रसर करेगा।

यह निजी विचार है।

महारानी सीजन 4′ ने खोला नया मोर्चा, ओटीटी बना बिहार चुनाव की सियासी प्रयोगशाला

अजय कुमार, वरिष्ठ पत्रकार

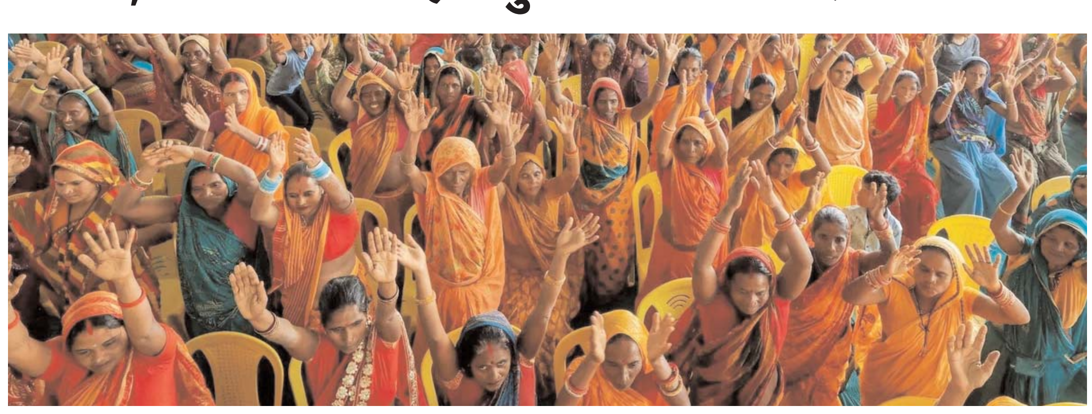

बिहार की राजनीति हमेशा देश की सबसे दिलचस्प प्रयोगशाला रही है, जहाँ सत्ता, जाति, संघर्ष और गठबंधन की कहानी हर चुनाव के साथ नया रंग लेती है। लेकिन इस बार खेल सिर्फ चुनाव मैदान में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी दिख रहा है। 7 नवंबर को सोनी लिव पर रिलीज हुई ÷महारानी सीजन 4÷ को देखिए कहानी बिहार की है, पर निशाने पर दिल्ली है। यह वही समय है जब बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण का मतदान 6 नवंबर को हुआ था और दूसरा चरण 11 नवंबर को होने वाला है। आंकड़े बताते हैं कि पहले चरण में रिकॉर्ड 64.66% वोटिंग हुई, जो राज्य के इतिहास में अब तक की सबसे ऊँची है। ऐसे में मतदान के बीच इस सीरीज का रिलीज होना महज़ संयोग नहीं लगता। इसमें दिखाया गया कथानक आम दर्शक के मन में एक राजनीतिक सन्देश छोड़ता है कि बिहार की दुर्दशा की जड़ें दिल्ली की सत्ता में हैं, केंद्र की नीतियाँ ही राज्य को पीछे रखती हैं, और जो नेता बिहार की ÷इज्जत÷ के लिए लड़े, वही असली नायक हैं। यही परत ÷महारानी 4÷ को सिर्फ मनोरंजन भर नहीं रहने देती, बल्कि उसे एक सधी हुई राजनीतिक कथा में बदल देती है, जो जनमानस की धारणा को प्रभावित करने वाला औजार साबित हो सकती है।

महारानी 4 में कहानी रानी भारती (हुमा कुरैशी) की है, जो बिहार की मुख्यमंत्री हैं। वह एक बार फिर अपने राज्य को विकास की राह पर लाने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन केंद्र की राजनीति उनके रास्ते में दीवार बन जाती है। प्रधानमंत्री सुधाकर श्रीनिवास जोशी (विपिन शर्मा) दिल्ली में बैठे वह ताकतवर किरदार हैं, जिनके पास सत्ता, संसाधन और एजेंसियों की पूरी मशीनरी है। जोशी का चरित्र एक सशक्त, पर अत्यंत चालाक प्रधानमंत्री का है, जो राज्य की राजनीति को अपनी मुट्ठी में रखने के लिए सीबीआई और ईडी जैसी संस्थाओं का इस्तेमाल करता है। जब रानी बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग करती हैं और प्रधानमंत्री के गठबंधन प्रस्ताव को लाइव टेलीविज़न पर ठुकरा देती हैं, तो कहानी में राजनीतिक युद्ध शुरू हो जाता है। सीरीज में दिखाया गया है कि केंद्र सरकार बिहार के विकास फंड रोक देती है और राज्य एक-एक रुपये के लिए तरसता है। यही दृश्य आम दर्शक के मन में यह सवाल पैदा करता है क्या बिहार वाकई केंद्र की नीतियों का शिकार है? यही वह भावनात्मक बिंदु है जिस पर यह शो अपने दर्शक को बाँध लेता है। बिहार की राजनीति को करीब से देखने वाले जानते हैं कि विशेष राज्य का दर्जा लंबे समय से राज्य की मांग रही है, लेकिन अब तक किसी सरकार ने इसे मंजूरी नहीं दी। ऐसे में सीरीज उस भावनात्मक घाव को कुरेदती है जो हर बिहारी के भीतर है ÷हमारे हिस्से का विकास हमें नहीं मिला।÷ यही वह हिस्सा है जहाँ यह राजनीतिक समानांतर और भी स्पष्ट हो जाता है। पीएम जोशी के नेतृत्व में उन्हें 232 सीटें मिलती दिखाया गया है। गौरतलब है कि एनडीए को 2024 लोकसभा चुनावों में 234 सीटें प्राप्त हुई थीं। जिस तरह एनडीए का साथ देने के लिए बिहार के सीएम नीतीश कुमार और आंध्र के सीएम चंद्रबाबू सामने आते हैं, उसी तरह महारानी सीरीज में बंगाल और तमिलनाडु के सीएम सपोर्ट में आते हैं। पीएम जोशी को अपने स्किन पर विशेष ध्यान रखने वाला और कपड़ों को लेकर बेहद सजग दिखाया गया है। सोशल मीडिया पर लिखा जा रहा है कि ऐसा सब पीएम मोदी को टारगेट करने के लिए किया गया है।

यहां तक तो कथा यथार्थ के करीब लगती है, लेकिन इसके बाद जो रंग भरे जाते हैं, वे स्पष्ट रूप से केंद्र सरकार को नकारात्मक रूप में पेश करते हैं। प्रधानमंत्री जोशी को 'जुमलेबाज', 'तानाशाह' और 'एजेंसियों के दुरुपयोगकर्ता' के रूप में दिखाया गया है। यहां तक कि उन्हें अपनी ÷स्किन केयर÷ और ÷कपड़ों÷ के प्रति सजग दिखाना भी एक व्यंग्यात्मक इशारा है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सार्वजनिक छवि पर तंज करता हुआ लगता है। सोशल मीडिया पर भी यही बहस चल रही है कि यह किरदार मोदी की छवि पर सीधा हमला है। ट्विटर (अब ङ्ग) पर बीजेपी समर्थक यूजर @UpendraMPradhan ने लिखा, ÷यह सीरीज प्योर प्रोपगैंडा है, बिहार चुनावों के लिए बनी है, जिसमें पीएम को बिहार को नष्ट करने वाला दिखाया गया है।÷ विपक्ष समर्थक कई हैंडल्स ने उल्टा तर्क दिया कि यह सीरीज ÷यथार्थ की झलक÷ दिखाती है, जहाँ एजेंसियों के डर से राजनीतिक विरोधी दबाए जाते हैं। यही दो ध्रुवों के बीच की बहस इस सीरीज की सबसे बड़ी सफलता है उसने चर्चा छेड़ दी है, और उस चर्चा में चुनावी हवा शामिल हो गई है। रोशनी को तेजस्वी यादव जैसी युवा लीडरशिप के रूप में पेश किया गया है। नवीन कुमार का किरदार नीतीश कुमार या किसी ऐसे राइवल नेता से मेल खाता है जो पीएम से एलाइड हो जाता है। यह समानता कहानी को और भी यथार्थ के करीब लाती है, जहाँ सत्ता, गठबंधन और अवसरवाद की राजनीति का आईना दर्शक के सामने रखा गया है।

वंशवाद के पहलू पर भी कहानी दिलचस्प मोड़ लेती है। रानी भारती अपने पद से इस्तीफा देकर अपनी बेटी रोशनी को मुख्यमंत्री बनाती हैं। यह लालू-राबड़ी-तेजस्वी की राजनीति की याद दिलाता है। आम तौर पर जनता वंशवाद पर सवाल उठाती है, लेकिन सीरीज इसे एक ÷परिवार की जिम्मेदारी÷ के रूप में प्रस्तुत करती है। यानी दर्शक को यह समझाया जाता है कि जब नेता भ्रष्ट तंत्र से घिरे हों, तब अपने परिवार को आगे लाना गलत नहीं। यही वह सॉफ्ट पिच है जो दर्शक के अवचेतन में यह विचार रोपती है कि लालू-राबड़ी या परिवार आधारित राजनीति भी किसी सामाजिक ÷कर्तव्य÷ का रूप है। अब अगर आप चुनावी समय, कथा का भावनात्मक केंद्र और कथानक की दिशा इन तीनों को जोड़ें, तो यह कहानी केवल कल्पना नहीं बल्कि एक राजनीतिक उपकरण की तरह दिखने लगती है। ओटीटी के पास अब गाँव-गाँव तक पहुँच है। बिहार जैसे राज्य में, जहाँ मोबाइल इंटरनेट का इस्तेमाल तेज़ी से बढ़ा है, युवाओं की बड़ी संख्या ऐसी सीरीज देखती है। डेटा बताता है कि बिहार में इंटरनेट उपयोगकर्ता 2024 तक 6.3 करोड़ से अधिक हो चुके थे, और ग्रामीण हिस्से में 72त्न युवा स्मार्टफोन से कंटेंट देखते हैं। यानी एक सीरीज, जो बिहार की भावना से जुड़ी है, उसका असर ज़मीनी राजनीति तक जा सकता है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत में फिल्मों और वेब सीरीज की रिलीज टाइमिंग अक्सर रणनीतिक रही है। चुनावी सीजन में चाहे राजनीति , तांडव या द केरल स्टोर जैसी फिल्में हों, उनका विमोचन अक्सर किसी जन-भावना को दिशा देने के लिए किया जाता है। महारानी 4 की रिलीज 7 नवंबर को होना, जब दूसरे चरण के मतदान की तैयारी चल रही थी, निश्चित रूप से एक सोचा-समझा कदम लगता है। खुद सीरीज के निर्माताओं ने कहा कि यह ÷सबसे भावनात्मक और विवादास्पद सीजन÷ है, जो बिहार की जनता के दिल से जुड़ता है। अगर आप इसे निष्पक्ष नजरिए से देखें, तो कहानी में कला और राजनीति का घालमेल दोनों मौजूद हैं। एक ओर रानी भारती का संघर्ष, जो केंद्र की ÷तानाशाही÷ के खिलाफआवाज़ उठाती है, दर्शकों को प्रेरक लग सकता है। दूसरी ओर, इसका प्रतीकात्मक संदेश यह भी देता है कि केंद्र सरकार एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्ष को खत्म करने के लिए करती है। यही संदेश अगर बिहार चुनाव से कुछ दिन पहले फैलता है, तो वह चुनावी हवा को प्रभावित कर सकता है। फिल्म और सीरीज का प्रभाव सीधा वोट में नहीं बदलता, पर यह धारणा बनाता है। राजनीति में धारणा ही सबसे बड़ा हथियार होती है। अगर कोई दर्शक यह मान लेता है कि ÷केंद्र बिहार को नजरअंदाज कर रहा है,÷ तो वह वोट डालते समय अपने मन में वही पीड़ा रखता है। इसी कारण ऐसे कंटेंट की रिलीज टाइमिंग पर सवाल उठते हैं।

फिर सवाल यह भी उठता है कि क्या इस तरह की सीरीज पर कोई सेंसर या समीक्षा होनी चाहिए? क्या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर राजनीतिक संतुलन की ज़रूरत है? सरकारों ने पहले भी इस पर चर्चा की है, लेकिन ओटीटी की आज़ादी का हवाला देकर यह मुद्दा हर बार ठंडा पड़ जाता है। महारानी 4 इस मायने में एक केस स्टडी है कैसे एक कहानी, जो सतह पर काल्पनिक है, असल में सियासी माहौल को बदलने की ताकत रखती है। इस सीरीज ने बिहार के विकास, विशेष राज्य दर्जे और केंद्र-राज्य रिश्तों को फिर चर्चा में ला दिया है। यह अच्छी बात है कि जनता इन विषयों पर बात कर रही है, लेकिन चिंता यह भी है कि क्या यह बातचीत तथ्यों पर आधारित है या भावनाओं पर। कला को राजनीति से अलग रखना हमेशा आसान नहीं होता, लेकिन जब कला राजनीति का औजार बन जाए, तब लोकतंत्र को सोचना पड़ता है हम कहानी देख रहे हैं या सियासत की पटकथा पढ़ रहे हैं। **यह निजी विचार है।**

बिहार विधानसभा चुनावों में जेपी की धरती पर उनके चेलों के बीच हो रहा महाभारत

अजय दीक्षित

बिहार में विधानसभा चुनावों में जयप्रकाश नारायण के चेलों के बीच उनकी मातृभूमि पर महाभारत हो रहा है। इसमें धुर्त क्रीड़ा भी हो रही है। सत्ता रूपी द्रौपदी असमंजस में है। कौरवों और पांडवों की पहचान जनता करेंगी। लेकिन इतना तय है कि एक कुल का नाश होना है।

बिहार विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंक दी है।अब चुनाव पूरे रंग पर है ।आगामी 9 नवंबर तक पूरे बिहार पूरे देश के राजनीतिक लोगों, विश्लेषकों, साफ़ोजोलिस्टो, मीडिया के तमाम संपादकों का डेरा जमा है बताया जाता है कि भारी संख्या में विदेशी मीडिया भी पटना में डेरा जमाए हैं। पटना के पांच सितारा होटल चाणक्य,मगध, मौर्य सीरियन में सभी कमरे फुल है और वीआइपी टैक्सी सुबह ही गांव, देहात, कस्बों में दौड़ने लगती हैं। आखिर विधानसभा चुनाव इतने महत्वपूर्ण क्यों हैं और इसका क्या कारण है। दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रोज बिहार में रैली कर रहे हैं और राजद कांग्रेस की ओर से तेजस्वी यादव, राहुल गांधी, सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी और सबसे अधिक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाक का बाल बन गया है यह चुनाव । प्रभात खबर के पॉलिटिकल एडिटर राजदेव पाण्डेय कहते हैं कि बिहार विधानसभा चुनावों में ऊंट किस करवट बैठ जाएगा कुछ नहीं कह सकते। राजग और इंडिया ब्लॉक में लड़ाई कांटे की है। पूरा चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तेजस्वी यादव के बीच लग रहा है।यहां तक कि कई नेताओं को तो भीड़ सुनने ही नहीं आ रही है। इंडिया ब्लॉक खेमे में तेजस्वी यादव की मांग है । कांग्रेस, सीपीएम, सीपीई,के उम्मीदवार भी राजद के पटना ऑफिस में लगातार मेल भेज रहे हैं और ह्ष्ठ में यही हालत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, योगी आदित्यनाथ की बनी हुई है। जेडीयू उम्मीदवार भी योगी आदित्यनाथ की सभाएं करवा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की समस्तीपुर रेली से निकले उदित चक्रवार कहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात पर भरोसा है।जबकि दुलारी निषाद कहती है कि नीतीश कुमार ने महिलाओं को दस हजार रुपए दे कर मामले को पटत दिया है। मुजफरपुर में सभा में शामिल उस्मानी बेगम लालू प्रसाद यादव के जंगलराज से नाराज है क्योंकि उनके साथ उदंड लोग जुड़े हैं।

लेकिन तेजस्वी यादव का अपना वोट बैंक है । अधिकतर मुस्लिम राजद खेमे के उम्मीदवार को पसंद कर रहे हैं।

पटना की शाम में चर्चा है कि नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री पद पर आसीन होंगे क्योंकि केंद्रीय सरकार उनके समर्थन से टिकी है। चर्चा यह भी है कि नीतीश कुमार को पिछड़ी जातियों, स्वर्ण वोट का समर्थन है । लेकिन बिहार चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी रहने वाली है।

दरअसल इस चुनाव को भविष्य का क्वाटर फाइनल मुकाबला कह सकते हैं फाइनल उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में होगा क्योंकि इन दोनों राज्यों में अभी 120 लोकसभा सीट है परिसीमन के बाद 200 होने की संभावना है। सीपीई,सीपीएम,सीपीएम माले भी 20 विधानसभा सीट पर ताकत आजमाएगी। पश्चिमी बंगाल से लगे क्षेत्रों में इनका भी असर है। तेजस्वी यादव अपना बीस साल का सुखा खत्म करना चाहते हैं।

जयप्रकाश नारायण की धरती पर महाभारत हो रहा है। उनके चेले नीतीश कुमार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,लालू प्रसाद यादव, महाभारत के पात्र हैं। पटना का गांधी मैदान इन संघर्षों का साक्षी रहा है। तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व श्रीमती इंदिरा गांधी के खिलाफ 1974 में विगुल यही से फूंका गया था। जिसकी वजह से आपातकाल लगा और 1977 में कांग्रेस को हरा कर जनता पार्टी ने केंद्रीय सत्ता पर कब्जा किया था।तब से गंगा में बहुत पानी बह गया है। कांग्रेस अब तीसरे चौथी पार्टी है और राजद की भागीदार है। कांग्रेस अगर अकेले चुनाव में जाय तो पांच फीसदी वोट भी नहीं मिलेंगे। लेकिन कांग्रेस को राजद ने 62 सीट दे कर उसका मान बढ़ा दिया है। इससे मुस्लिम मतों का बिखराव कम होता नजर आ रहा है। वैचारिक धरातल पर बिहार में 2005 के बाद ही काम हो सका था क्योंकि औद्योगिकरण बिहार अन्य राज्यों की तुलना में बिछड़ गया था। यहां तक कि केंद्र सरकार द्वारा पोषित योजनाओं के परिणाम भी नहीं निकले थे। जैसे प्रधानमंत्री सड़क परियोजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, राष्ट्रीय राजमार्ग योजना,आदि क्योंकि बिहार में एक ऐसा माहौल है कि मुंबई, दिल्ली के बड़े उद्योगपति बिहार आना नहीं चाहते हैं। **यह निजी विचार है।**

जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा मॉक टेस्ट–2 का भव्य एवं सफल आयोजन

जनजाति विकास एवं उत्थान संगठन, जिला मोहला–मानपुर–अम्बागढ़ चौकी के तत्वावधान में

संवाददाता

अम्बागढ़ चौकी(जिला मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी)।जनजाति विकास एवं उत्थान संगठन द्वारा विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को सशक्त बनाने के उद्देश्य से जवाहर नवोदय विद्यालय मॉक टेस्टङ्क2 का भव्य आयोजन शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अम्बागढ़ चौकी में किया गया।इस परीक्षा में क्षेत्र की विभिन्न शालाओं से लगभग 400 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

विद्यार्थियों में प्रतियोगी भावना, आत्मविश्वास और शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण देखने को मिला।संगठन का यह प्रयास ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन और अवसर का मंच बना! मुख्य अतिथि का मार्गदर्शन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री परमेश्वर लाल मंडावी (तहसीलदार, कवर्धा) रहे। उन्होंने कहा –÷गांव और छोटे कस्बों के बच्चे प्रतिभाशाली होते हैं, बस उन्हें दिशा और अवसर की आवश्यकता होती है। जनजाति विकास एवं उत्थान संगठन का यह प्रयास निश्चित रूप से विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने वाला है।÷

अध्यक्षीय उद्बोधन कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीलेकेश्वर ठाकुर (ओनर, ठाकुर कंप्यूटर एकेडमी, अम्बागढ़ चौकी) ने की।उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप मेंश्री पूनऊ राम फुलकौरे (जनपद अध्यक्ष, अम्बागढ़ चौकी),श्री नीलकंठ कोमरे, श्री आशीष वर्मा, श्री देव यादव, श्री हेमंत गंगासागर, लेखराम ठाकुर, और नितेश ठाकुर उपस्थित रहे।

परीक्षा का उद्देश्य

मॉक टेस्ट का उद्देश्य विद्यार्थियों को नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा जैसी वास्तविक परीक्षा परिस्थितियों से परिचित कराना था।प्रश्नपत्र परीक्षा पैटर्न के अनुसार तैयार किया गया था तथा पंजीयन, बैठने और मूल्यांकन की पूरी व्यवस्था संगठन द्वारा सुव्यवस्थित रूप से की गई थी।

विजेता विद्यार्थी प्रथम स्थानःहेजल साहू

द्वितीय स्थानः भाव्या रावटे

तृतीय स्थानः ख्याति खरे एवं पुलिन चतुर्थ स्थानः तेजस, टोमीन आर्य, कुणाल पंचम स्थानः भूविक कोमरे, नितिन, मयंक एवं स्नेहलता

अतिथियों ने विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

कार्यक्रम की सफलता में अनेक शिक्षकों, सहयोगियों और संगठन के कार्यकर्ताओं का अमूल्य योगदान रहा।विशेष सहयोग देने वालों में श्री दिलीप खरे, भजन साहू, पुखराज यादव, सुन्दर मंडावी, सुदेश ठाकुर, अनिल ठाकुर, लिखन गावरे, सुरेंद्र पटेल, रतन ठाकुर, बुधराम पाण्डरोई, तामेश्वर साहू, अगन्द, स्वाति सोनवानी, सुरेखा साहू, सुरेश साहू, जीवन साहू, एवं तुकेश पटेल का विशेष उल्लेख किया गया।धन्यवाद एवं समापन कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन श्री नीलकंठ कोमरे द्वारा किया गया।

उन्होंने कहा –यह आयोजन केवल परीक्षा नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा के प्रति जागरूकता और नवोदय विद्यालय जैसे संस्थानों की ओर प्रेरित करने का एक प्रयास है। संगठन भविष्य में भी ऐसे शैक्षणिक कार्यक्रम जारी रखेगा।÷ जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा मॉक टेस्ट का निःशुल्क आयोजन - जनजाति विकास एवं उत्थान संगठन द्वारा शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अम्बागढ़ चौकी में निःशुल्क मॉक टेस्ट का सफल आयोजन किया गया।

इस आयोजन में क्षेत्र के अनेक शिक्षक साथियों का सहयोग और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिन्होंने विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

संगठन का यह प्रयास ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा और अवसर दोनों का सेतु बना।

डॉ. प्रवीण झाड़ी बने संस्कृतभारती के प्रांत सहमंत्री

रायपुर, संवाददाता

रायपुर के संस्कृत विद्वान एवं संस्कृत महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. प्रवीण झाड़ी को संस्कृत भारती के अखिल भारतीय अधिवेशन कोयम्बटूर में अखिलभारत महामंत्री सत्यनारायण भट्ट द्वारा छत्तीसगढ़ का संस्कृतभारती प्रान्त सहमंत्री का नूतन दायित्व की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके पूर्व डा. प्रवीण झाडी प्रान्त साहित्य प्रमुख की जिम्मेदारी निभा रहे थे। इनके साथ ही मेघनाथ साहू को प्रांतगण सदस्य का दायित्व प्रदान किया गया है।

इन दोनों को मिले नये दायित्व से प्रदेश मे संस्कृत भाषा के संरक्षण हेतु और अधिक प्रयास किया जायेगा। इस अवसर पर संस्कृत भारती छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष डॉ. सतेंद्र सिंह सेंगर, प्रांतमंत्री डॉ. दादूभाई त्रिपाठी, डॉ. राजकुमार तिवारी, डॉ. गोपेश तिवारी, डॉ. वैभव कान्हे, डॉ. दिव्या, दुर्गेश तिवारी, राजेश भगत, डॉ. आकांक्षा विश्वकर्मा, डॉ. लूनेश वर्मा, डॉ. व्यासनारायण, राकेश तिवारी, खुमेंद्र साहू, नरेंद्र साहू, नीलम श्रीवास्तव, असरिता पैकरा, राजकुमारी, डालेश्वरी साहू, शैलबाला पांडेय, आरती राजपूत एवं संस्कृत भाषा के प्रचारक पं. चन्द्रभूषण शुक्ला सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने शुभकामना व्यक्त कर बधाई दिया।

इस तीन दिवसीय विश्वव्यापी संस्कृत अधिवेशन में छत्तीसगढ़ से करीब 200 संस्कृत विद्वान कार्यकर्ता शामिल हुए तथा कोयम्बटूर मे छत्तीसगढ़ का राजगीत, सरगुजिया गीत एवं राउत नाचा सहित छत्तीसगढी नृत्य संस्कृत भाषा मे प्रस्तुत कर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया गया।

आईसीएआर ने किया जनजातीय गौरव दिवस 2025 के आयोजन

रायपुर

आईसीएआर - राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान (एनआईबीएसएम), रायपुर, छत्तीसगढ़ ने ÷जनजातीय गौरव वर्ष÷ विषय पर 1 नवम्बर 2025 को जनजातीय गौरव दिवस 2025 (1-15 नवम्बर 2025) के राष्ट्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत एक विशेष आयोजन किया। यह कार्यक्रम संस्थान के सभागार में आयोजित किया गया, जिसमें रायपुर जिले के केवतरा गाँव के 30 जनजातीय किसान (महिला एवं पुरुष) शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री सुशील के. शर्मा द्वारा जनजातीय किसानों, निदेशक डॉ. पी. के. राय और संयुक्त निदेशकों का स्वागत कर मंचासीन कराने के साथ हुआ।

डॉ. शर्मा ने जनजातीय गौरव दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह दिवस भारत की विरासत और स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नेताओं एवं समुदायों के योगदान को सम्मानित करने हेतु मनाया जाता है।

इसके उपरांत भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और योगदान पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई, जिसमें उनके संघर्षों और जनजातीय समाज के अधिकारों एवं उत्थान के लिए उनके ऐतिहासिक प्रयासों को रेखांकित किया गया। इसके बाद डॉ. शर्मा ने ÷सामाजिक-आर्थिक विकास और जागरूकता÷ विषय पर एक प्रस्तुति (Presentation) दी, जिसका उद्देश्य जनजातीय किसानों के लिए आजीविका के अवसरों को बढ़ाना और कृषि विकास को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम के समापन पर निदेशक, आईसीएआर-एनआईबीएसएम, डॉ. पी. के. राय ने अपने संबोधन में जनजातीय किसानों की उत्साही भागीदारी की सराहना की और उन्हें संस्थागत सहायता प्रणालियों जैसे जनजातीय उपयोजना (TSP) एवं अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर सतत कृषि विकास और जनजातीय सशक्तिकरण की दिशा में कार्य करने का आग्रह किया।

समूचे कार्यक्रम का समन्वय आयोजन समिति द्वारा किया गया, जिसमें निम्न सदस्य शामिल थेः डॉ. सुशील के. शर्मा - नोडल अधिकारी, जनजातीय गौरव दिवस 2025 डॉ. प्रियांका मीणा - नोडल अधिकारी, जनजातीय उपयोजना कार्यक्रम डॉ. श्रीधर -सदस्य, आयोजन समिति ॉ. के. सी. शर्मा - सदस्य, आयोजन समिति।

भारतीय वायु सेना के रोमांचकारी हवाई करतबों ने गुवाहाटी के आसमान को मंत्रमुग्ध कर दिया

संवाददाता

भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने अपनी 93वीं वर्षगांठ के समारोह को जारी रखते हुए 09 नवंबर, 2025 को गुवाहाटी में गौरवमयी ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपर एक मनमोहक एवं रोमांचकारी हवाई प्रदर्शन किया। असम के माननीय राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य इस भव्य आयोजन के मुख्य अतिथि थे। अन्य विशिष्ट मेहमानों में असम के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंता बिस्वा सरमा, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह, पूर्वी वायु कमान के एओसी-इन-सी एयर मार्शल सूरत सिंह सहित भारतीय वायु सेना तथा राज्य सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

हवाई प्रदर्शन में इस वर्ष के समारोह की विषय-वस्तु को भव्य रूप में दर्शाया गयाः ÷अचूक, अभेद्य व सटीक÷ लासित घाट के पास से उड़ान भरते लड़ाकू एवं परिवहन विमानों और हेलीकॉप्टर की शानदार श्रृंखला ने गुवाहाटी के आसमान को रोमांच व गौरव से भर दिया। इस प्रभावशाली हवाई प्रदर्शन में भारतीय वायु सेना के अत्याधुनिक हेलीकॉप्टरों, परिवहन विमानों और लड़ाकू जहाजों की विविध क्षमता के साथ विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित हुई। कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में तेजस, अपाचे, सी-295 और हॉक्स विमान शामिल थे, जो भारत की तकनीकी उत्कृष्टता तथा राष्ट्रीय लचीलेपन के प्रतीक हैं। वहीं, हार्वर्ड, सुखोई-30 और राफेल विमान ने अपने रोमांचक व कम ऊंचाई के हवाई करतबों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस प्रदर्शन का समापन सूर्यकिरण एरोबेटिक्स टीम और सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम की मनोहारी समन्वित प्रस्तुति के साथ हुआ, जिसने पूरे वातावरण को देशभक्ति एवं उत्साह से सराबोर कर दिया। रोमांचकारी हवाई करतबों ने दर्शकों, विशेष रूप से पूर्वोत्तर के युवाओं के मन पर गहरी और अमिट छाप छोड़ी। साहस, कौशल और अनुशासन से भरपूर इस प्रदर्शन ने युवा पीढ़ी को मुख्य रूप से प्रेरित किया। नीली वर्दी में सुसज्जित पुरुष और महिला वायु कर्मियों के अद्भुत समन्वय ने न केवल गर्व की भावना जगाई, बल्कि अनेक युवाओं के मन में भारतीय वायु सेना में करियर बनाने तथा राष्ट्र सेवा में योगदान देने का भाव भी सृजित किया।

जीएसटी 2.0 भारतीय कारीगरों के लिए बड़ा वरदान, उत्पादों की बिक्री बढ़ी

नई दिल्ली ,एजेंसी। अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार भारतीय कारीगरों के लिए वरदान का काम कर रहे हैं और इससे उनके उत्पादों की बिक्री में इजाफा हुआ है और आय में बढ़त हुई है, जिससे वे फैक्ट्री में बने उत्पादों से प्रतिस्पर्धा कर पा रहे हैं। जीएसटी 2.0 के तहत कई हैंडीक्राफ्ट उत्पादों जैसे लकड़ी के नक्काशीदार उत्पादों, टेराकोटा जूट हैंडबैग, कपड़े की वस्तुएं और चमड़े के सामान आदि पर टैक्स कम हो गया है।

असम का मूगा रेशम उद्योग, जो मुख्य रूप से सुआलकुची (कामरूप), लखीमपुर, धेमाजी और जोरहाट जिलों में संचालित होता है, राज्य भर के अन्य रेशम उत्पादन समूहों के साथ महिला बुनकरों की विरासत है। हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट वस्तुओं पर 5 प्रतिशत जीएसटी की कम दर से बुनकरों को राहत मिलेगी और इससे वे प्रतिस्पर्धी बाजारों में अपने उत्पाद बेचकर बेहतर मार्जिन कमा सकते हैं। इससे निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा। असम के पूरे हैंडलूम क्षेत्र को जीएसटी सुधारों से लाभ होगा। 12.83 लाख से ज्यादा बुनकरों और लगभग 12.46 लाख करघों वाले राज्य में इसका प्रभाव दूरगामी होगा।

हैंडलूम और क्राफ्ट पर जीएसटी दर में कटौती से असम जापी, अशारिकंडी टेराकोटा, मिशिंग हैंडलूम, पानी मेटेका और बिहू ढोल सहित अन्य उद्योगों को भी लाभ होगा। पश्चिम बंगाल लंबे समय से पारंपरिक क्राफ्ट और हैंडलूम के लिए जाना जाता है, जिसमें बिष्णुपुर के टेराकोटा मंदिर से लेकर नक्शी कंठ की जटिल कढ़ाई तक शामिल है। जीएसटी को 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत करने से इस क्षेत्र को सीधे तौर पर लाभ होगा। जीएसटी में कटौती से हिमाचल के प्रसिद्ध हैंडलूम उत्पादों, विशेष रूप से शॉल और ऊनी वस्त्रों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। कुल्लू घाटी में, स्वयं सहायता समूहों से जुड़े 3,000 से ज्यादा बुनकर चमकीले पैटर्न वाले, जीआई-टैग वाले कुल्लू शॉल बनाते हैं।

चंबा रुमाल एक जीआई-टैग वाला लघु हस्त-कढ़ाई वाला कपड़ा है, जिसे मुख्य रूप से हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले की महिला कारीगरों द्वारा बनाया जाता है। इन रूमालों पर जीएसटी घटाकर 5 प्रतिशत कर दिए जाने के कारण इनकी मांग में वृद्धि होगी। चंबा के पारंपरिक चमड़े के चप्पल भी जीआई-टैग्ड उत्पाद हैं, जिनका उत्पादन सैकड़ों छोटी कुटीर शिल्प इकाइयों द्वारा किया जाता है। कम जीएसटी से इनकी कीमतें मशीन-निर्मित जूतों के मुकाबले अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएंगी और स्वदेशी चप्पलों की बिक्री को बढ़ावा मिलेगा।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. वि./यां. संभाग नवा रायपुर छ.ग.

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक. 1924/NIT-25/2025–26/व.ले.लि. नवा रायपुर दिनांक 07/11/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से निम्नालिखित मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :–

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम/ No of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
25 T0089	छतीसगढ़ प्रशासन अकादमीए निमोरा रायपुर में एयर कंडीशनिंग और टेलिविज़न की प्रदाय एवं लगाने का कार्य।	9.98

नोट :–निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि दिनांक 17/11/2025 अपरान्ह 5:30 बजे तक है ।

निविदा संबंधी शर्ते विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है । इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है ।

शर्ते :– 1) उपरोक्त कार्यो के आबंटन प्राप्त होने पर ही नियामानुसार भुगतान की कार्यवाही की जावेगी ।

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. वि./यां. संभाग नवा रायपुर छ.ग.

G-252604619/2

राज्यपाल श्री रमेन डेका से राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष श्री मंडावी ने सौजन्य मुलाकात की

रायपुर, राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज यहां राजभवन में छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष श्री रूप सिंह मंडावी ने सौजन्य मुलाकात की। उनके साथ आयोग के सचिव श्री पवन कुमार नेताम भी थे। आयोग ने लोक सेवाओ की पदोन्नति में 32 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने हेतु अनुशंसा प्रस्ताव राज्यपाल को सौंपा हैं।

रायसोनी स्पोर्ट्स एंड कल्चरल फाउंडेशन एवं कल्पना प्रकाश वेलफेयर फाउंडेशन की संयुक्त पहल

जिला स्तरीय रेपिड शतरंज प्रतियोगिता का कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने किया शुभारंभ

जांजगीर-चांपा।

जिला शतरंज संघ जांजगीर-चांपा द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती एवं बाल दिवस के अवसर पर जी. एच. रायसोनी स्पोर्ट्स एंड कल्चरल फ ाउंडेशन एवं कल्पना प्रकाश वेलफेयर फ ाउंडेशन की संयुक्त पहल पर, छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के मार्गदर्शन में तथा गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल, बनारी के सहयोग से 9 नवंबर 2025 (रविवार) को एक दिवसीय रेपिड शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्यालय प्रबंधक श्री दीपक राठौर, प्रधानाचार्य श्री संतोष शर्मा, डॉ. सुमित गुलाबानी एवं डॉ. रुचि गुलाबानी (जे.जी.एम. हॉस्पिटल, जांजगीर) श्रीमती गायत्री यादव के विशेष आतिथ्य में हुई। विशेष सहयोगी आर्यन सिंह गर्ग (एडलाई स्टीवेन्सन हाई स्कूल, इलिनॉय, अमेरिका) तथा शुभ लाभ स्टेशनरी अकलतरा,

स्व प्यारेलाल सुपुत्र खगेश साहूरहे।

कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि शतरंज एक ऐसा खेल है जो बुद्धिमत्ता, धैर्य और रणनीति की भावना को विकसित करता है। इस प्रकार के आयोजन से जिले के बच्चों में सोचने-समझने की क्षमता बढ़ती है और अनुशासन की भावना मजबूत होती है। इस प्रतियोगिता में जांजगीर-चांपा और सक्ती जिलों के लगभग 200 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता स्विस लीग प्रणाली के तहत 15 मिनट + 5 सेकंड वृद्धि समय नियंत्रण के साथ खेली गई।

खिलाड़ियों ने पूरे दिन शतरंज की बिसात पर अपनी एकाग्रता, रणनीति और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन किया।

विजेता खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

समापन समारोह में विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, पदक और नगद पुरस्कार प्रदान किए गए। ओपन वर्ग (सीनियर वर्ग): प्रथम शुभम कुमार गिधौरी नकद राशि 3000 ट्रॉफी, द्वितीय लोकेश कुमार साहू 2100 ट्रॉफी, तृतीय तुलेश साहू 1500 ट्रॉफी, चौथा संतोष केवट ?000, पाँचवाँ स्थान – विवेक कुमार सोनी ?800 छठा से दसवाँ स्थान – विकास हरबंस, योगेंद्र साहू, मनोज ठाकुर, अंकुर बंजारें एवं दीपक जसवानी को ?500-?500 एवं मेमेंटो प्रदान किए गए। अंडर-9 वर्ग:

प्रथम वेदांश यादव 1500 मेमेंटो, आयांश फुल्लर 1000 मेमेंटो,

आशुतोष तिवारी 500 मेमेंटो, अंडर-13 वर्ग प्रखर पटेल 1500 मेमेंटो, सर्वेश 1000 मेमेंटो, नक्ष 500 मेमेंटो

अंडर-15 वर्ग: प्रथम राठौर 1500 मेमेंटो, चिन्मय देवांगन 1000 मेमेंटो

कनकशेखर राठौर 500 मेमेंटो से सम्मानित किया गया।

इसके अलावा विशेष पुरस्कार बैटरन, : महिला खिलाड़ी, यंगटेस्ट एवं दिव्यांग खिलाड़ी दिया गया। सर्वश्रेष्ठ विद्यालय गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल, हसदेव पब्लिक स्कूल, जय भारत स्कूल, ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, लायंस पब्लिक स्कूल शामिल है। जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष श्री देवेंद्र कुमार राठौर एवं उपाध्यक्ष श्री देवेंद्र कुमार यादव, सचिव श्री गिरधर गोपाल कश्यप, कोषाध्यक्ष श्री लोकेश यादव, श्रीमती जयंती यादव,

श्री संतराम यादव, श्री शशांक राठौर श्री राजू देवांगन, श्री अभिजीत, श्री मनीष, टूर्नामेंट के मुख्य निर्णायक श्री अलोक क्षत्रि, सहायक निर्णायक श्री ओम वर्मा एवं श्री अर्पित सिंह इस अवसर पर मौजूद रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन श्रीमती जयंती यादव ने किया।

युवा खिलाड़ी बने आकर्षण का केंद्र पाँच वर्षीय सक्षम ने कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे सहित सबको किया प्रभावित

केवल पांच वर्ष के बाल शतरंज खिलाड़ी सक्षम गुलाबानी प्रतियोगिता के आकर्षण का केंद्र बने। उनकी एकाग्रता, समझदारी और चालों की परिपक्वता देखकर सभी अभिभावक और खिलाड़ी प्रभावित हुए।कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने भी सक्षम के खेल की सराहना करते हुए कहा कि इस उम्र में इतनी गहराई से खेलना प्रशंसनीय है, सक्षम जैसे बच्चे जिले का भविष्य हैं। प्रतियोगिता में सबसे कम आयु के खिलाड़ी के रूप में सक्षम को बेस्ट यंगेस्ट प्लेयर का पुरस्कार एवं पदक प्रदान किया गया।

प्राण घातक हमला करने वाले चार आरोपियों को जांजगीर पुलिस ने किया गिरफ्तार

जांजगीर चांपा /

प्राणघातक हमला के चार आरोपियों को जांजगीर पुलिस ने गिरफ्तार किया है ।मामले का विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी संजोग कुमार बरेठ निवासी नवाभाठा धुरकोट द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया था कि दिनांक 8 नवंबर 2025 को अपने साथी लालू उर्फ अंतराम के साथ अपने मोटर सायकल से जा रहा था तभी ग्राम धूरकोट के बिजली आफिस के पास गांव का रामजी सूर्यवंशी उसका भाई मनोज सूर्यवंशी तथा विरेन्द्र सूर्यवंशी एंव ददुआ चारो लोग दो मोटर सायकल से आकर प्रार्थी के मोटर सायकल के सामने अडाकर शराब पीने के लिये पैसों की मांग करने लगे । उन्हे पैसे देने से मना किया तो चारो लोग प्रार्थी और उसके साथी को हत्या करने के नियत से राड एंव डण्डा से प्राण धातक हमला कर कर चोंट पहुंचाया और वंहा से भाग गये जिसकी सूचना रिपोर्ट पर अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना जांजगीर पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को घेराबंदी कर पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही कर निरीक्षक मणिकांत पाण्डेय थाना प्रभारी जांजगीर एवम थाना स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

टक्कर मारकर भागना मोटरयान दुर्घटना प्रतिकर स्कीम 2022 में मृतक एवं घायल को प्रतिकर स्वीकृत

जांजगीर-चांपा /

कलेक्टर जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय के निर्देशन में जिले में पहली बार टक्कर मारकर भागना मोटरयान दुर्घटना प्रतिकर स्कीम 2022 के प्रकरणों में पीड़ित पक्षों को प्रतिकर राशि स्वीकृत की गई है। ग्राम चंडीपारा, दुपट्टा मोड़ मेन रोड पर 9 जुलाई 2022 को हुई सड़क दुर्घटना में मृतक श्री रूपचंद साहू पिता स्व. प्रेमचंद साहू, उम्र 51 वर्ष, साकिन गोधना, थाना नवागढ़, के विधिक प्रतिनिधि के रूप में उनकी पत्नी श्रीमती शैलकुमारी साहू को घोर अपहति की स्थिति में प्रतिकर स्वरूप 2 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार गिन्नी पेट्रोल पंप के सामने अकलतरा रोड, जांजगीर में 23 अक्टूबर 2022 को हुई टक्कर मारकर भागने की मोटर यान दुर्घटना में घायल श्री उत्तम राठौर पिता श्री भोजराम राठौर, उम्र 51 वर्ष, निवासी पुरानी बस्ती जांजगीर, थाना जांजगीर, को घोर अपहति के प्रकरण में प्रतिकर स्वरूप 50 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। उपरोक्त राशि जीआईसी मुबई द्वारा जारी होगा।

कलेक्टर ने धान खरीदी में पारदर्शिता और सख्त निगरानी के दिए निर्देश

अवैध परिवहन, भंडारण एवं बिचौलियों पर रखी जाएगी कड़ी निगरानी

जांजगीर-चांपा /

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा बैठक लेकर विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने आगामी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि धान खरीदी कार्य में पारदर्शिता, किसानों की सुविधा और निगरानी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी केंद्रों की नियमित मॉनिटरिंग नोडल अधिकारी स्वयं करें और निरीक्षण रिपोर्ट प्रतिदिन प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि कोचियों-बिचौलियों पर कड़ी नजर रखी जाए तथा अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने अन्य जिलों या राज्यों से धान की अवैध खरीदी, भंडारण या परिवहन पर सख्त नियंत्रण के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि खरीदी केंद्रों में साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय की व्यवस्था और कंप्यूटर ऑपरेटरों के प्रशिक्षण दिया जाए। कलेक्टर ने उप संचालक कृषि को किसानों को पराली न जलाने एवं पैरादान करने हेतु प्रेरित करने कहा। साथ ही किसानों को फसल चक्र, मिट्टी की उर्वरता और पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक किया जाए। साथ ही ई-ऑफिस प्रशिक्षण को गंभीरता से लेकर कर्मचारियों की शंकाओं का समाधान करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे नियमित फील्ड विजिट करें, कार्य दिवसों के साथ अवकाश दिवसों में भी फील्ड निरीक्षण करें ताकि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

कलेक्टर ने कहा कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत धान विक्रय करने वाले कृषकों के लिए शासन द्वारा सभी खसरों का एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य किया गया है। जिले में अब भी कुछ कृषकों के खसरे (फार्म आईडी) एग्रीस्टैक पोर्टल में दर्ज नहीं हो पाए हैं। ऐसे कृषकों के लिए जिले की सभी प्राथमिक कृषि साख समितियों में 10 से 13 नवम्बर 2025 तक विशेष पंजीयन शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में कृषक अपने छूटे हुए खसरा को जोड़वा सकते हैं।

बैठक में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि इस योजना के तहत प्रगति दिखाई देनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक पंचायत एवं नगरीय क्षेत्र में शिविर लगाकर नागरिकों को आवेदन से लेकर इंस्टॉलेशन तक की संपूर्ण जानकारी दी जाए ताकि अधिक से अधिक लोग योजना का लाभ उठा सकें।

बैठक में उन्होंने रोजगार मेला और ऋण मेला के आयोजन के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए अवसर होता है। अतः संबंधित अधिकारी तैयारी सुनिश्चित करने एवं व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सड़क मरम्मत कार्यों की गुणवत्ता पर भी सख्ती दिखाई और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी निर्माण और मरम्मत कार्यों का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराए जाएँ। कलेक्टर श्री महोबे ने निर्देश दिए कि सभी शासकीय खरीदी नियमानुसार जेम पोर्टल के माध्यम से ही की जाए। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जेम पोर्टल की व्यवस्था लागू की गई है, अतः सभी विभाग इसका शत-प्रतिशत पालन करें। बैठक में शासन की प्राथमिक योजनाओं, प्रधानमंत्री आवास योजना, सड़क मरम्मत एग्रीस्टैक पंजीयन आदि की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, अपर कलेक्टर श्री आर.के. तंबोली सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनदर्शन में आये 60 आवेदन पत्रों की हुई सुनवाई

कलेक्टर ने अधिकारियों को समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई के दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों और मांगों को सुना। कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों का समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। जनदर्शन में आज कुल 60 आवेदन प्राप्त हुए।

आज जनदर्शन में विकासखंड नवागढ़ के ग्राम दहिदा निवासी श्री सहसराम द्वारा पेंशन दिलाने, तहसील जांजगीर के ग्राम खोखरा निवासी राधा बाई द्वारा पीएम आवास योजना का लाभ दिलाने, ग्राम बनारी निवासी श्रीमती रामायण बाई द्वारा सीमांकन करवाने, तहसील अकलतरा के ग्राम बरपाली निवासी श्री संजय गोपाल राजस्व प्रकरण की नकल दिलाने, तहसील बलौदा के ग्राम अंगारखार निवासी चंद्रिकाबाई द्वारा राशनकार्ड निरस्त कराने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किये। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

जुआ फड़ में चांपा पुलिस टीम की दबिश : सात जुआरियों मौके से सपड़ाए

जांजगीर चांपा / जुआ फड़ में चांपा पुलिस ने दबिश देकर सात जुआरियों को मौके से पकड़ा है । पकड़े गए आरोपीयों में दिनेश पिता बजरंग राठौर , सूरज पिता मुन्ना सिंह ठाकुर , बिंदेश्वर पिता विश्वनाथ गोपाल , विक्रम पिता शिवकुमार सिंह राजपूत , संदीप पिता त्रिभुवन यादव , रवि पिता अजय यादव , निखिल पिता शांतिलाल कर्ष सभी चांपा निवासी शामिल है। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि जिले के पुलिस अधीक्षक ने थाना प्रभारी की मीटिंग लेकर थाना क्षेत्र में त्योहार के मद्देनजर अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई करने की निर्देश दिए थे । इसी तारतम्य में थाना चापा से एक टीम थाना क्षेत्र में कार्यवाही हेतु रवाना किया गया था । टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुआ कि कैलाश नगर में कॉलोनी के पीछे स्ट्रीट लाइट के नीचे कुछ लोग रूपए पैसे का दाँव लगाकर काट पत्ती नामक जुआ खेल रहे हैं । सूचना से पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस ,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप एवं एसडीओपी चाम्पा यदुमणी सिदार को दिया गया जिस पर अधिकारियों द्वारा तत्काल घेराबंदी कर आरोपियों को पकड़कर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश प्राप्त हुए । थाना प्रभारी जयप्रकाश गुप्ता के नेतृत्व में तत्काल एक टीम मौके की ओर रवाना किया गया जहां पुलिस टीम को आता देख जुआरी भगाने के फिराक में थे जिन्हें घेरा बंदी करके 7 जुआरियों को पकड़ा गया । उनके कब्जे से कुल 56450 रुपए तथा 52 पत्ती ताश जप्त किया गया ।

सभी जुआरियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्यवाही किया गया तथा सभी जुआरियों को गिरफ्तार किया गया। उपरोक्त कार्रवाई में निरीक्षक जयप्रकाश गुप्ता थाना प्रभारी चापा, उप निरीक्षक ऊमेंद्र मिश्रा, दादुरैया ठाकुर, सहायक उपनिरीक्षक अरुण सिंह , आरक्षक आकाश कालोसिया, शंकर राजपूत, वीरेश सिंह, संजय केवट, सचिन एक्का, कैलाश यादव, जय उरांव, भूपेंद्र गोस्वामी, रूप नारायण का योगदान रहा

एग्रीस्टैक पंजीयन में छूटे खसरों के लिए 13 नवम्बर तक विशेष शिविर

जांजगीर-चांपा / खरीफविपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत धान विक्रय करने वाले कृषकों के लिए शासन द्वारा सभी खसरों का एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य किया गया है। जिले में अब भी कुछ कृषकों के खसरे (फार्म आईडी) एग्रीस्टैक पोर्टल में दर्ज नहीं हो पाए हैं। ऐसे कृषकों के लिए जिले की सभी प्राथमिक कृषि साख समितियों में 10 से 13 नवम्बर 2025 तक विशेष पंजीयन शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में कृषक अपने छूटे हुए खसरा को जोड़वा सकते हैं।

(In Compliance with Master Direction – Reserve Bank of India (Non-Banking Financial Company- Scale Based Regulation) Directions, 2023 dated October 29, 2023-as amended from time to time)

Name of NBFC: Ditya Finance Private Limited

CIN: U65990CT2019PTC009180

Regd. Office: Shop No 20 to 22, First Ekatma Parisar, Rajbandh, Raipur-492001, Chhattisgarh

Email id: amarjyoti.lenka@mcapital.co.in

In Compliance with Para 42.1.1 (iii) of Master Direction – Reserve Bank of India (Non-Banking Financial Company- Scale Based Regulation) Directions, 2023 dated October 29, 2023, notice is hereby given that Ditya Finance Private Limited ("Company" or "NBFC"), a Company incorporated under the Companies Act, 2013 and is registered with RBI vide its Certificate of Registration Number : B-03.00206 as a Non Deposit Taking Non-Banking Financial Company, with its registered office at Shop No 20 to 22, First Ekatma Parisar, Rajbandh, Raipur-492001, Chhattisgarh is intending to change of the management of the Company by way of appointing following candidature as director of the Company viz.

1. Mr. Manish Patel

The Company has already obtained the prior approval from RBI, Bhopal relating to change in management vide NGP.DOR.RSG.No.S136/12-01-369/2025-2026 dated August 06, 2025.

Any clarification/objection in this regard may be addressed to Ditya Finance Private Limited at Shop No 20 to 22, First Ekatma Parisar, Rajbandh, Raipur-492001, Chhattisgarh or Department of Non-Banking Supervision, Reserve Bank of India, Bhopal within 30(thirty) days from the date of publication of this notice stating therein the nature of interest and grounds of objection. This public notice is being issued by the Company.

For Ditya Finance Private Limited
Ketan Jagdishbhai Patel
Managing Director

Date: 11-11-2025
DIN: 08183259

वन भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाने वन विभाग द्वारा की गई' कार्यवाही

जांजगीर-चांपा /

वनमण्डलाधिकारी श्री हिमांशु डोंगरे के निर्देशन में बलौदा वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आर. एफ 55 कटरा परिसर में वन भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही वन विभाग के उड़नदस्ता दल द्वारा की गई। मौके पर वन परिक्षेत्र अधिकारी श्री एस.पी. राठिया के नेतृत्व में वन अमले की टीम ने कार्यवाही करते हुए वन भूमि पर बनी अवैध झोपड़ियो एवं झालो को हटवाया। इस कार्यवाही में कुल 0.614 हेक्टेयर वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। दल ने मौके पर उपस्थित निवासरत लोगो को समझाईस दी तथा स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने के लिए प्रेरित किया। वन परिक्षेत्र अधिकारी श्री एस. पी. राठिया ने बताया कि वन भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण वन अधिनियम के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है। विभाग द्वारा समय-समय पर इस प्रकार की कार्यवाही कर वन क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए प्रतिबध्द्ध है।

इस कार्यवाही में उड़नदरता प्रभारी टेकराज सिंह सिदार, वनरक्षक अशोक सोनी, अभिषेक कुर्रे सहित विभागीय अमले की सक्रिय भूमिका रही। वन विभाग द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे वन भूमि पर अवैध कब्जा या निर्माण से बचें तथा वन संरक्षण एवं पर्यावरण संतुलन बनाये रखने में सहयोग करें।

खास खबर

सड़क हादसा : तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, युवक की मौत

कोरबा , 08 नवंबर (आरएनएस)। नेशनल हाईवे-130 पर तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे वह करीब 40 मीटर तक घसीटा गया। हादसे में बाइक सवार युवक 35 वर्षीय पुजारी मरकाम की मौके पर ही मौत हो गई। घटना चैतमा पुलिस चैकी क्षेत्र, घुचवा बैरियर के पास हुई। बताया जा रहा है कि मृतक अपने घर से कटघोरा जा रहा था, तभी तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मारी। हादसे के बाद सड़क पर जाम लग गया, जिसे राहगीरों और पुलिस ने नियंत्रित किया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में रेडी टू ईट एवं गरम भोजन नियमित रुप से किया जा रहा है

कोरबा। । बीज विकास निगम द्वारा रेडी टू ईट माह के अंतिम सप्ताह में समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों में नमकीन पौष्टिक दलिया एवं मीठा शक्ति आहार (रेडी टू ईट) वितरण किया जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ने बताया कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में गर्म पका भोजन एवं पूर्व माह के बचत रेडी टू ईट से बच्चों को आहार प्रदाय किया जा रहा है।
सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में रेडी टू ईट एवं गरम भोजन नियमित रुप से वितरण किया जा रहा है एवं परियोजना अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी अनुसार सभी केन्द्रों हेतु वर्तमान में रेडी टू ईट आ गया है एवं हितग्राहियों को शासन के निर्देशानुसार वितरण किया गया जा रहा है।

राज्य वीरता पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित

कोरबा । । राज्य वीरता पुरस्कार 2025 हेतु प्रविष्टियां निर्धारित प्रपत्र में आवेदन आमंत्रित किया गया है। इच्छुक आवेदक 20दिसंबर 2025 तक कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास कोरबा में आवेदन कर सकते हैं।

गौरतलब है कि राज्य षासन द्वारा प्रदेष के बच्चों को किसी घटना विषेष में उनके द्वारा प्रदर्षित अदम्य साहस एवं बुद्धिमता के लिए राज्य वीरता पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास कोरबा से संपर्क किया जा सकता है।

मंत्री लखन लाल देवांगन के द्वारा 05 टीबी मरीजों को दिया गया फूड बास्केट

कोरबा। । छ.ग.राज्य के स्थापना दिवस और रजत जयंती वर्ष के अवसर पर कोरबा जिले के घंटाघर में दिनांक 02 नवंबर से 04 नवंबर तक भव्य राज्योत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने हेतु स्टॉल लगाया गया था।

गौवंश संरक्षण के लिए कोरबा में गौ सेवा समिति की पहली बैठक संपन्न

कोरबा (लोकशक्ति)।

छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग रायपुर के मार्गदर्शन में कोरबा जिले की गौ सेवा समिति की प्रथम बैठक जिला अध्यक्ष विनय सिंह राठिया की अध्यक्षता में उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं, जिला कोरबा के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक का संचालन प्रभारी उपसंचालक डॉ. मयंक गोस्वामी ने किया।

बैठक में प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना अंतर्गत गौवंश के संरक्षण और संवर्धन हेतु ÷गौ सेवा धाम÷ संचालित करने के प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा की गई। योजना के तहत प्रत्येक विकासखंड में 10 गौ सेवा धाम संचालित किए जाएंगे, जिनमें घूमंतू एवं निराश्रित गौवंशों को सुरक्षित रखा जाएगा। इसके लिए जिला एवं विकासखंड स्तर पर गौ सेवा समितियों का गठन किया गया है, जिनमें सरकार के प्रतिनिधियों सहित अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति पशुधन विकास विभाग द्वारा की गई है।

बैठक में जिला समिति के अध्यक्ष विनय सिंह राठिया ने कहा कि सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना को धरातल पर उतारने के लिए प्रथम चरण में गौ सेवा धाम हेतु स्थल चिन्हांकन किया जाएगा। इसके संचालन के लिए स्वयंसेवी समूहों की वास्तविक स्थिति और निर्धारित मापदंडों पर पशुधन विकास विभाग की चिकित्सकीय टीम द्वारा शीघ्र प्रतिवेदन तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस योजना के प्रति उदासीनता या नकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने वाले किसी भी विभागीय अमले के प्रति सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रथम चरण में राष्ट्रीय एवं प्रदेश राजमार्गों के निकट स्थित गौठानों को प्राथमिकता देते हुए चयन करने के निर्देश दिए गए हैं। इस योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, नगर निगम आयुक्त, अनुविभागीय अधिकारी एवं जिला पंचायत सीईओ को समिति में सदस्य बनाया गया है ताकि संचालन में किसी भी प्रकार की बाधा न आए। अन्य जिलों की तरह कोरबा में भी शीघ्र समन्वय बैठक आयोजित कर कार्यक्रम को गति देने पर बल दिया गया।

बैठक में जिला समिति के सदस्य विजय अग्रवाल, रामशरण तंवर, देवी गोपाल, शिवप्रकाश, करतला खंड अध्यक्ष मारुति पटेल, कटघोरा खंड अध्यक्ष गुरमीत सिंह सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी प्रतिनिधियों ने इस योजना को सफल बनाने के लिए पूर्ण समर्पण और ऊर्जा के साथ कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

सभी हॉस्पिटल में एनएचए के निर्धारित मानकों का पालन कराना करें सुनिश्चित : कलेक्टर

कोरबा संवाददाता।

कलेक्टर अजीत वसंत ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक लेकर विभागीय कामकाज एवं शासकीय कार्यो के क्रियान्वयन स्थिति की विस्तृत समीक्षा करते हुए कार्य प्रगति हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने टीएल के विभागवार लम्बित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए शीघ्र निराकरण हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया।

कलेक्टर वसंत ने जिले के सभी हॉस्पिटल में नर्सिंग होम एक्ट के सभी निर्धारित मानकों का पालन कराना सुनिश्चित कराने के निर्देश सभी एसडीएम को दिए। इस हेतु एसडीएम को राजस्व एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम का गठन कर सभी हॉस्पिटल का निरीक्षण करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने बाल सम्प्रेक्षण गृह के निर्माण कार्य प्रगति की जानकारी लेते हुए शेष कार्यो को शीघ्र पूर्ण करने की बात कही। कलेक्टर ने जिले में दो माह पूर्व डीएमएफ से स्वीकृत व अप्रारम्भ कार्यो की जानकारी तैयार करने के लिए कहा, जिससे इन कार्यो को प्राथमिकता से प्रारम्भ किया जा सके। उन्होंने रेडक्रॉस समिति को ब्लड डोनेशन वाहन उपलब्ध कराने की कार्यवाही भी यथाशीघ्र पूर्ण कराने के लिए कहा।

कलेक्टर ने आत्मानंद विद्यालयों में अतिथि शिक्षकों की भर्ती हेतु प्रतीक्षा सूची से मेरिट अभ्यर्थी को शीघ्रता से नियुक्ति प्रदान करने की बात कही। जिससे शेष शिक्षण सत्र में बच्चों की पढ़ाई बेहतर हो पाए। युकियुक्त करण के पश्चात विद्यालयों में जॉइनिंग के लिए शेष शिक्षकों की जानकारी लेते हुए कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के हितग्राहियों के आवासों में पीएम सूर्यघर योजना के तहत सोलर पैनल स्थापित करने कार्य मे भी तेजी लाने के लिए कहा। उन्होंने जिले में आवश्यकता वाले स्थानों में नए पीडीएस गोडाउन निर्माण हेतु प्रस्ताव देने के निर्देश खाद्य अधिकारी को दिए। साथ ही जिले के नए स्कूल, आंगनबाड़ी भवन की स्वीकृति से छूटे हुए पंचायतों में नए स्कूल, आंगनबाड़ी भवन की आवश्यकता की जांच कर प्रस्ताव देने की बात कही। आयुष विभाग के पॉलिक्लिनिक में आईपीडी सेवा प्रारम्भ करने की तैयारियों की जानकारी लेकर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित रखने के लिए कहा। उन्होंने जिले के दूरस्थ क्षेत्र रनई व साखों के वनाधिकार के पात्र हितग्राहियों को जल्द से जल्द वनाधिकार पट्टा प्रदान करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने विभिन्न विभागों में समय सीमा के लंबित प्रकरणों का जांच कर निराकरण करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी कटघोरा तन्मय खन्ना, जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग, सभी एसडीएम, तहसीलदार, सीएमओ नगरीय निकाय सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।पर चर्चा कर सभी प्रकरणों के निराकरण हेतु राजस्व अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी कटघोरा तन्मय खन्ना, अपर कलेक्टर कटघोरा ओंकार यादव, सभी एसडीएम, प्रभारी अधिकारी भू अभिलेख, अधीक्षक भू अभिलेख, सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार उपस्थित थे।

झांगलु राम के सपनों को पंख दी प्रधानमंत्री आवास योजना ने

कोरबा, ।

कोरबा जिले के पाली ब्लॉक अंतर्गत ग्राम कारीछापर के धनुहार पारा में रहने वाले झांगलु राम रोज़ाना मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। सीमित आमदनी में घर का खर्च चलाना ही उनके लिए बड़ी चुनौती थी। ऐसे हालात में पक्का मकान बनवाने की कल्पना करना भी उनके लिए असंभव सा लगता था।

झांगलु राम की पत्नी तीज बाई भी मजदूरी करके घर की जिम्मेदारी में हाथ बटाती थीं। परिवार अपनी बेटी बबीता के साथ एक कच्चे मकान में रहकर किसी तरह जीवन गुजार रहा था। इसी बीच उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की जानकारी मिली। उम्मीद की एक किरण लेकर झांगलु राम ने आवेदन किया और जब उनका नाम स्वीकृत सूची में आया तो खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने आवश्यक दस्तावेज जमा किए और अपने कच्चे मकान के पास ही एक नया पक्का मकान बनवाया। आज झांगलु राम और तीज बाई अपने सपनों के पक्के घर में रहते हैं। बारिश और धूप की चिंता से मुक्त, अब उनके चेहरों पर संतोष और सुरक्षा की चमक है। उनकी बेटी बबीता, जो अब विवाहित है, भी अपने पति राकेश कुमार के साथ कभी-कभी इसी पक्के मकान में ठहरती है। राकेश कुमार ईंट जोड़ने का काम करते हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति में सहयोग दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने न केवल झांगलु राम के सिर पर छत दी, बल्कि उनके जीवन में स्थायित्व और सम्मान की नई नींव रखी कृ एक ऐसी नींव जिस पर अब खुशियों का घर खड़ा है।

क्लोदिंग, इक्यूपमेंट, फायर और आपदा की निष्प्रयोज्य सामग्रियों की नीलामी

नगर सेना, कोरबा कार्यालय में 28 नवंबर को होगी नीलामी

कोरबा । नगर सैनिकों के पुराने वर्दियां, कार्यालय के अन्य अप्रयोज्य सामानों की नीलामी 28नवंबर को जिला सेनानी कार्यालय नगरसेना कोरबा में होगी। यह नीलामी होमगार्ड लाईन रजगामार रोड कार्यालय में सुबह 11 बजे होगी। नगरसेना के कोरबा कार्यालय द्वारा निष्प्रयोज्य घोषित सामग्रियों की नीलामी 'लाट में, जैसी है जहां है जितनी है' आधार पर की जायेगी। निष्प्रयोज्य घोषित सामग्रियों में नगरसेना के जवानों की वर्दी सामग्री यथा फुलपेंट, कमीज, टोपी, टोपी बैज, कंधा बैज, जूते, मोजे, कंबल, दरी, जर्सी, अंगोला,षर्ट, बेल्ट, बेल्ट लेदर, मच्छरदानी, बरसाती, ग्राउण्ड सीट, व्हिसील, थाली, गिलास, बुट ब्रष, पंखा, सबमर्षिबल मोटर एवं अन्य अनुपयोगी सामग्री षामिल है। पूरे निष्प्रयोज्य सामान की एक साथ नीलामी होगी।

इच्छुक केता नीलामी तिथि से एक दिन पहले तक कार्यालय जिला सेनानी नगर सेना कोरबा में आकर सामग्रियों का अवलोकन कर सकते हैं। प्रत्येक खरीददार को बोली लगाने के पूर्व राषि एक हजार मात्र प्रतिभूति के रूप में जमा करना अनिवार्य है। जिन खरीददार की बोली स्वीकार नहीं होगी उन खरीददारों की जमा राषि वापस कर दी जायेगी।

प्रशासनिक कार्यों में गति और पारदर्शिता हेतु कोरबा में ई-ऑफिस कार्यप्रणाली का प्रशिक्षण आयोजित

कोरब जिले के विभिन्न शासकीय विभागों में आधुनिक एवं पारदर्शी पद्धति से कार्य संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में ई-ऑफिस कार्यप्रणाली पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई।

सामान्य प्रशासन विभाग से आए प्रोजेक्ट इंजीनियर हिमांशु तम्बोली, जावेद अख्तर तथा जिला सूचना विज्ञान अधिकारी हेमंत जायसवाल ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से ई-ऑफिस प्रणाली की विस्तृत जानकारी दी। कलेक्टर ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर्स ने बताया कि ई-ऑफिस प्रणाली के तहत ई-फाइल सिस्टम लागू किया जाएगा, जिससे शासकीय कार्यों में गति, पारदर्शिता और प्रभावशीलता बढ़ेगी। इस प्रणाली के माध्यम से नस्तियों का संचालन त्वरित होगा, साथ ही समय और कागज की बचत भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि ई-फाइल की ट्रैकिंग सुविधा से यह आसानी से ज्ञात किया जा सकेगा कि कोई फाइल कहां लंबित है, जिससे कार्य संस्कृति में जवाबदेही बढ़ेगी। ई-फाइल निर्माण हेतु विंडोज 10 और स्कैनर अनिवार्य होगा। फाइलें केवल यूनिकोड फॉन्ट में टाइप की जाएंगी, कृति देव फॉन्ट का उपयोग नहीं किया जाएगा। फेयर ई-फाइल हरे रंग की होगी और इसे डिलीट नहीं किया जा सकेगा। ई-फाइल में आवश्यक दस्तावेज संलग्न किए जा सकेंगे तथा इसे ई-साइन या डिजिटल सिग्नेचर से प्रमाणित किया जाएगा। कार्यशाला में ट्रांसफॉर्मेशनल जर्नी, फाइल मैनेजमेंट सिस्टम, नॉलेज मैनेजमेंट सिस्टम और आउटकम आधारित प्रशासन जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर ओंकार यादव, एनआईसी अधिकारी हेमंत जायसवाल सहित विभिन्न शासकीय विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने ई-ऑफिस प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू करने की प्रतिबद्धता जताई, जिससे प्रशासनिक कार्यों में डिजिटल परिवर्तन और सुशासन को नई दिशा मिलेगा।

आमनागरिकों के निगम से जुड़े उनके कार्य सुगमतापूर्वक हों, अनावश्यक अवरोध पैदा न हो, यह अंतिम रूप से सुनिश्चित कराएं – महापौर

महापौर ने भवन अनुज्ञा, राजस्व, संपदा, अतिक्रमण सहित अन्य महत्वपूर्ण कार्यो से जुड़े अधिकारियों की बैठक लेकर की कार्यो की कार्यप्रगति की समीक्षा

कोरबा लोकशक्ति।

महापौर संजूदेवी राजपूत ने निगम के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आमनागरिकों के निगम से जुड़े विविध कार्य सुगमतापूर्वक किए जाएं, कार्यो में अनावश्यक अवरोध उत्पन्न न हो, कार्यो में देरी न की जाए, यह अंतिम रूप से सुनिश्चित कराएं। महापौर श्रीमती राजपूत ने विशेष रूप से रेखांकित करते हुए कहा कि जो कार्य नियमानुसार हैं तथा किए जाने योग्य है, वह सभी कार्य त्वरित रूप से समयसीमा के अंदर पूरे किए जाएं ताकि नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होने कहा कि हम सबका प्रथम दायित्व है कि हम आमजन की समस्याओं के प्रति सजग रहें, उनकी समस्याओं व परेशानियों को समझे, उन्हें गंभीरता से लें तथा त्वरित निराकरण सुनिश्चित कराएं।

महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित एम.आई.सी. सभाकक्ष में निगम के भवन अनुज्ञा विभाग, राजस्व विभाग, संपदा विभाग, अतिक्रमण सहित अन्य महत्वपूर्ण विभागों से जुड़े अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक ली तथा इन विभागों से जुड़े कार्यो की कार्यप्रगति की बिन्दुवार समीक्षा की। महापौर श्रीमती राजपूत ने समीक्षा के दौरान अधिकारियों से कहा कि भवन निर्माण अनुमति से जुड़े कार्यो में अपेक्षित तेजी लाएं तथा निर्धारित समयसीमा में भवन निर्माण की नियमानुसार अनुज्ञा दिया जाना सुनिश्चित करें, उन्होने कहा कि आमनागरिक अपनी सम्पत्तियों के नामांतरण, हस्तातरण आदि के लिए निगम में अपने आवेदन प्रस्तुत करते हैं, यदि नामांतरण, हस्तांतरण में अनावश्यक देरी होती है तो इससे लोगों को परेशानियॉं उत्पन्न होती हैं, अतः इनसे जुड़े कार्यो व प्रकरणों का निराकरण एक निश्चित समयसीमा के अंदर अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराएं ताकि नागरिकों को बेवजह परेशानी न हों। बैठक के दौरान महापौर श्रीमती राजपूत ने निगम के राजस्व वसूली कार्यो की समीक्षा करते हुए कहा कि राजस्व वसूली कार्य को सुगम, सहज व पारदर्शी बनाएं ताकि एक ओर जहॉं निगम के राजस्व वसूली के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके, तो वहीं दूसरी ओर करदाताओं को भी किसी प्रकार की अनावश्यक असुविधा का सामना न करना पड़े।

बैठक के दौरान उपायुक्त नीरज कौशिक, निगम सचिव रामेश्वर सिंह कंवर, निज सहायक सचिन तिवारी, संपदा अधिकारी अनिरूद्ध सिंह, सहायक राजस्व अधिकारी सुमित गुप्ता, सहायक अभियंता आकाश अग्रवाल, उप जोन प्रभारी अजय अग्रवाल, अविनाश जायसवाल, संजय ठाकुर, दिलेश्वर सिंह, महेश्वर सिंह, पुखराज यादव, भावेश यादव, पी.जी.गोस्वामी, अजय शुक्ला, प्रिंस कुमार सिंह, देवव्रत आदित्य, मनहरणलाल नेताम, उत्तम राठौर, करन पाण्डेय आदि के साथ अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

जीएसटी विभाग की बड़ी कार्यवाही : तीन 18 चक्के वाले संदिग्ध ट्रकों को किया जप्त

कोरबा । जीएसटी विभाग की टीम ने कोरबा जिले में बड़ी कार्यवाही करते हुए तीन 18 चक्के वाले संदिग्ध ट्रकों को पकड़कर जप्त किया है। इन तीनों ट्रकों में क्रमशः विस्फोटक पदार्थ, छड़ और स्क्रैप भरा हुआ पाया गया है। विभाग ने इन गाड़ियों को संदिग्ध मानते हुए जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, पहले ट्रक में 34 टन अमोनियम नाइट्रेट भरा हुआ था, जिसे वाहन चालक के मुताबिक गुजरात से लाया गया था और उसे इंडियन ऑयल कंपनी ले जा रहा था। अब सवाल यह उठता है कि इंडियन ऑयल जैसी पेट्रोलियम कंपनी के लिए बारूदनुमा रासायनिक पदार्थ का उपयोग आखिर किस उद्देश्य से किया जा रहा था ? विभाग इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए कंपनी से लगातार पूछताछ कर रहा है, लेकिन अब तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल पाया है।

विशेषज्ञों के अनुसार, अमोनियम नाइट्रेट एक रासायनिक यौगिक है जिसका प्रयोग सामान्यतरू उर्वरक और खनन उद्योग में विस्फोटक तैयार करने के लिए किया जाता है। हालांकि, इसकी गलत हैंडलिंग या अवैध उपयोग से यह अत्यधिक विस्फोटक और खतरनाक साबित हो सकता है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
हसदेव बरॉज जल प्रबंध संभाग
रामपुर/कोरबा
-:निविदा निरस्तीकरण सूचना:-
इस संभाग का निविदा सूचना क्र. 05/व.ले.लि. 2025-26 दिनांक 24.09.2024 निविदा सिस्टम क्र. 176373 (तृतीय आमंत्रण) द्वारा आमंत्रित निविदा का बिड केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ट के निविदा पूर्व अर्हता निर्धारण समिति द्वारा दिनांक 15.10.2025 को ऑनलाईन खोला गया। उक्त निविदा के तृतीय आमंत्रण में प्रतिभागी निविदाकारों की संख्या निरंक है। अतः उक्त निविदा तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाता है।
कार्यपालन अभियंता
हसदेव बरॉज जल प्रबंध संभाग
रामपुर/कोरबा
G-252604597/4

डाक्टरों के लिए मानव स्वास्थ्य सेवा से बढ़कर, कोई खुशी और आनंद नहीं - डिप्टी सीएम

जगदलपुर । डिप्टी सीएम विजय शर्मा अपने संक्षिप्त एक दिवसीय प्रवास के दौरान स्व बलिराम स्मृति मेडिकल कॉलेज के चरक सभागार में मेडिकल कॉलेज के अध्ययनरत चिकित्सकों से संवाद करते हुए कहा कि सुरक्षा कैंपों के समीप संवेदनशील ग्रामों में मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर एक नई पहल है, जो चिकित्सकों को बस्तर क्षेत्र की जनता से जुड़ने के साथ एक अनोखा अनुभव प्राप्त करने का अवसर है। हमारे सुझाव को स्वीकार कर कालेज के डीन और उनकी टीम के द्वारा संवेदनशील ग्रामों में एक-दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया इसके लिए बधाई। इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा देने में जो खुशी-आनंद की अनुभूति होगी,ओ पैसा से नहीं खरीदी जा सकती है। यहां चिकित्सकों के अलावा रायपुर के बड़े बड़े चिकित्सकों ने बस्तर संभाग के जिलों में आकर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए। कालेज में तैयार हो रहे नए चिकित्सक भी ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए अपना मनोभाव जरूर बनाएं। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य शिविर में शामिल हुए 18 सदस्यों से परिचय प्राप्त कर उनके कार्य की सराहना की। साथ ही कालेज में अध्ययनरत बस्तर संभाग के चिकित्सकों से भी उनके जिले की जानकारी के साथ परिचय प्राप्त किया। इस अवसर पर जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव ने कहा कि सरकार द्वारा बस्तर में शांति बहाली के लिए सराहनीय कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा जनता के बीच बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने की संवेदनशील ग्रामों में मेडिकल शिविर आयोजित करना भी एक नई पहल का स्वागत है। बस्तर मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों का दल जिन्होंने स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया उन्हें बहुत बहुत बधाई। बस्तर जैसे प्राकृतिक सुंदरता वाले इलाके में कला, संस्कृति को जानने-समझने के साथ चिकित्सा सेवा देना एक बेहतरीन अवसर मिला। इस प्रकार के कार्यक्रम में सभी चिकित्सकों को जाना चाहिए, इसका बहुत अच्छा प्रभाव क्षेत्र की जनता को मिलेगा। कार्यक्रम में आई जी सुन्दरराज पी. ने भी चिकित्सकों को बधाई देते हुए आगे की कार्ययोजना पर स्वास्थ्य टीम, मेडिकल कालेज की टीम से चर्चा कर संवेदनशील क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की बात कही।

बारनवापारा में टाइगर की दस्तक से बढ़ी हलचल, वन विभाग अलर्ट मोड पर

रायपुर । छत्तीसगढ़ के बारनवापारा अभ्यारण्य में फिर से टाइगर की मौजूदगी दर्ज की गई है। वन विकास निगम क्षेत्र में टाइगर मूवमेंट के संकेत मिलने के बाद वन विभाग अलर्ट पर है। अधिकारियों ने सर्च ऑपरेशन तेज करते हुए इलाके में गश्त और निगरानी बढ़ा दी है।

दरअसल, बलौदा बाजार और महासमुंद जिले की सीमा पर स्थित वन विकास निगम क्षेत्र में बाघ के पैरों के निशान और मूवमेंट के संकेत मिले हैं। सूत्रों के अनुसार, यह बाघ पड़ोसी राज्य के जंगलों से यहां पहुंचा है। फिलहाल विभाग बाघ के मूवमेंट पर नजर रखे हुए है और इलाके में कैमरा ट्रैप एवं पेट्रोलिंग बढ़ाई गई है ताकि उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

वन विभाग ने स्थानीय ग्रामीणों को फिलहाल जंगल के नजदीक जाने से रोका गया है। पर्यटकों के लिए कुछ रास्तों पर अस्थायी रोक लगाई गई है। विभाग का कहना है कि इससे बाघ को सुरक्षित माहौल मिलेगा और किसी तरह की अनहोनी से बचा जा सकेगा। पिछले वर्ष भी इसी क्षेत्र में एक बाघ सक्रिय था, जिसे बाद में ट्रेंकुलाइज कर गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व भेजा गया था।इसी इलाके में फिलहाल 28 हाथियों का दल भी सक्रिय है, जिससे वन विभाग की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कुछ दिन पहले हाथियों ने हरदी गांव में एक व्यक्ति की जान ले ली थी और तीन हाथी कुएं में गिर गए थे, जिन्हें बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाना पड़ा था।

लिटिल मिलेनियम एवं अलास्का पब्लिक स्कूल के नन्हें-मुन्हें विद्यार्थियों ने किया रेलवे स्टेशन मनेन्द्रगढ़ का शैक्षिक भ्रमण

मनेन्द्रगढ़, 09 नवंबर (आरएनएस)। लिटिल मिलेनियम एवं अलास्का पब्लिक स्कूल मनेन्द्रगढ़ के नन्हें-मुन्हें विद्यार्थियों को शैक्षिक भ्रमण के अंतर्गत रेलवे स्टेशन मनेन्द्रगढ़ ले जाया गया। इस भ्रमण में बच्चों का स्वागत मुख्य स्टेशन प्रबंधक एस. के. निर्मल, रेलवे सुरक्षा बल के निरीक्षक बी. के. चौधरी एवं कमर्शियल कम टिकट क्लर्क आशीष राठौर ने किया।

कार्यक्रम की शुरुआत में टिकट क्लर्क आशीष राठौर ने बच्चों को टिकट काउंटर की विभिन्न प्रक्रियाओं से अवगत कराया और यात्रा के दौरान टिकट अवश्य लेने तथा स्टेशन पर टिकट लेकर ही प्रवेश करने की सलाह दी। इसके पश्चात निरीक्षक बी. के. चौधरी ने रेलवे से जुड़ी सुरक्षा नियमों की जानकारी देते हुए बताया कि बिना टिकट यात्रा करना, पैदल पटरी पार करना या अनावश्यक रूप से ट्रेन की इमरजेंसी चेन खींचना दंडनीय अपराध है, जिसके लिए विभिन्न धाराओं के तहत सजा का प्रावधान है। साथ ही, उन्होंने बच्चों को स्टेशन पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए कूड़ेदान का उपयोग करने की समझाइश भी दी।मुख्य स्टेशन प्रबंधक एस. के. निर्मल ने बच्चों को ट्रेन संचालन प्रणाली के बारे में रोचक जानकारी दी। उन्होंने समझाया कि किस प्रकार ट्रेन को स्टेशन पर उपलब्ध खाली लाइन में लाया जाता है और कैसे संकेत प्रणाली के माध्यम से गाड़ियों के आगमन व प्रस्थान को नियंत्रित किया जाता है। साथ ही, मालगाड़ी और यात्री ट्रेन में अंतर भी बताया गया।इस शैक्षिक भ्रमण को लेकर बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। स्कूल संचालक मो. फिरोज एवं बच्चों की ओर से अतिथि अधिकारियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के समापन पर निरीक्षक महोदय द्वारा सभी बच्चों को चॉकलेट वितरित कर उन्हें खुशी प्रदान की गई।

यह आयोजन बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक एवं यादगार साबित हुआ। इस आयोजन की सफलता में विजय विश्वकर्मा, ऋचा अग्रवाल, इलियास खान, शहाबुद्दीन अंसारी, स्मृति गुप्ता, निशी विश्वकर्मा, नेहा यादव, तेजस्वानी नामदेव, तसलीम मंसूरी, नंदनी विश्वकर्मा, अनामिका आइंद, श्रद्धा साव, विमला दाहिया, आयशा खातून, जागृति, साक्षी सिंह, निकुंज गोयल, सुप्रिया साहू, शांति जायसवाल का योगदान सराहनीय रहा।

सरकारी कॉलेज की भूमि पर अतिक्रमण का मामला, भानुप्रतापपुर के एक पार्षद का भी मकान

भानुप्रतापपुर, 09 नवंबर (आरएनएस)। स्थानीय शासकीय महाविद्यालय की भूमि पर अतिक्रमण का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। कॉलेज परिसर की भूमि के एक हिस्से पर नगर के एक पार्षद द्वारा कब्जा किए जाने की शिकायत सामने आई है। आरोप है कि संबंधित पार्षद के पास भानुप्रतापपुर में मकान है। फिर भी कराठी में कॉलेज की भूमि को घेरकर कर मकान बनाया है।

संपत्ति की नई गाइडलाइन जारी, 77 से घटाकर 14 प्रावधान, वर्ष 2000 का पुराना नियम बदला, पंजीयन में होगी आसानी

रायपुर । छत्तीसगढ़ सरकार ने संपत्तियों के गाइडलाइन निर्धारण संबंधी नियमों में बड़ा सुधार करते हुए नए नियम जारी किए हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर जमीन गाइडलाइन मूल्य निर्धारण में बड़ा बदलाव किया गया है, इससे रजिस्ट्री की प्रक्रिया अब आसान होगी।

वहीं, भ्रम, विसंगतियां व अतिरिक्त शुल्क भी समाप्त होंगे, जिससे आम जनता को बड़ी राहत मिलेगी। वाणिज्यिक कर मंत्री ओपी चौधरी ने विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया था कि जमीन के गाइडलाइन मूल्य निर्धारण संबंधी वर्तमान नियम अत्यंत जटिल तथा विरोधाभासी हैं तथा जनता की समझ से बाहर हैं, इसके कारण आम लोगों को तरह-तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इन नियमों को सरल, संक्षिप्त बनाया जाए।

बताया गया है कि गाइडलाइन दरों की गणना इन नियमों के अनुसार की जाती है। जैसे मुख्य मार्ग की दूरी क्या होगी। कौन से तल में होने पर कितना वैल्यूएशन होगा। किन-किन परिस्थितियों में कितने-कितने मूल्य बढ़ेंगे आदि। इन नियमों के आधार पर जमीन की रजिस्ट्री के समय बाजार मूल्य का आकलन किया जाता है। गाइडलाइन दरों के निर्धारण संबंधी ये नियम वर्ष 2000 से बने हुए थे तथा इनमें कोई परिवर्तन या संशोधन नहीं हुआ था।

बताया गया है कि गाइडलाइन दरों की गणना इन नियमों के अनुसार की जाती है। जैसे मुख्य मार्ग की दूरी क्या होगी, कौन से तल में होने पर कितना वैल्यूएशन होगा, किन-किन परिस्थितियों में कितने कितने मूल्य बढ़ेंगे आदि। इन नियमों के आधार पर जमीन की रजिस्ट्री के समय बाजार मूल्य का आकलन किया जाता है। वर्तमान नियमों में कई विसंगतियां थीं, जिसके कारण संपत्ति के बाजार मूल्य की वास्तविक और तार्किक रूप से गणना नहीं हो पाती थी।

77 से घटाकर 14 प्रावधान

पूर्व प्रचलित उपबंध में 77 प्रकार के निर्धारण प्रावधान थे, जिन्हें घटाकर अब गणना संबंधी केवल 14 प्रावधान रखे गए हैं, जिन्हें समझना आम जनता के लिए बेहद आसान होगा। पूर्व उपबंध में नगरीय निकायों तथा इनमें कृषि, नजूल, डायवर्टेड- प्रत्येक अलग-अलग प्रकार की भूमि के लिए अलग-अलग प्रकार की गणना के प्रावधान थे। अब इन्हें युक्तिसंगत बनाते हुए एक ही प्रकार का प्रावधान किया गया है। सभी वर्ग के नगरों व भूमि के लिए अब हेक्टेयर दर की सीमा 0.14 हेक्टेयर कर दी गई है। निर्मित संरचनाओं के लिए केवल 8 दरें रखी गई हैं। कृषि, डायवर्टेड, नजूल एवं आबादी भूमि के लिए अब एक समान मूल्यांकन मानक लागू होगा। जिससे डायवर्टेड व नजूल भूमि होने मात्र से संपत्ति के बाजार मूल्य नहीं बढ़ेंगे तथा भ्रम व त्रुटियों की संभावना समाप्त होगी।

नया कॉलोनी विकसित करने पर विशेष गाइडलाइन

दो फसली भूमि होने पर 25 प्रतिशत वृद्धि, गैर परंपरागत फसलों पर 25 प्रतिशत वृद्धि, नलकूप ट्यूबवेल होने पर उसकी अलग कीमत, बाउंड्रीवाल व फ्लिंट होने पर उसकी अलग कीमत वृद्धि करने जैसे प्रावधानों को हटा दिया गया है। इसका प्रत्यक्ष लाभ आम जनता को होगा. नए नियम में यह प्रावधान किया गया है कि जब कोई नया मोहल्ला, कॉलोनी या परियोजना विकसित हो तो उसके लिए विशेष रूप से गाइडलाइन दर का निर्धारण किया जाएगा।

सरकारी कीमतों में वृद्धि प्रस्ताव लटका

प्रदेश में अचल संपत्ति व जमीन की नई कलेक्टर गाइडलाइन दरें बढ़ाने का प्रस्ताव फिलहाल लटक गया है। पंजीयन विभाग ने 8 महीने पहले जमीन की गाइडलाइन दर में वृद्धि करने की प्रक्रिया शुरू की थी। वह लटकी हुई है। जबकि अचल संपत्ति व जमीन की कलेक्टर गाइडलाइन दर तैयार करने के लिए सर्वे हो चुका है। जिला समितियों द्वारा गाइडलाइन दर में डेढ़ से दो गुना तक वृद्धि प्रस्तावित है। निर्णय नहीं होने के कारण वर्तमान में 7 साल पुरानी गाइडलाइन दरें ही लागू हैं।

जशपुर जम्बुरी छू रहा सफलता की उंचाई

जशपुर । तीसरे दिन की शुरुआत हुई देश देखा से, जहाँ प्रतिभागियों ने स्वादिष्ट स्थानीय नाश्ता किया और हल्की-फुल्की गतिविधियों के साथ दिन की शुरुआत की।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जशपुर जम्बुरी का आयोजन किया जा रहा है।

कलेक्टर श्री रोहित व्यास के मार्गदर्शन में और जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार दिशा निर्देश में 6 से 9 नवम्बर तक सफलता पूर्वक जशपुर जम्बुरी कार्यक्रम का संचालन किया गया।

वन मंडला अधिकारी श्री शशि कुमार,डिप्टी कलेक्टर श्री समीर बड़ा और रोजगार अधिकारी सुश्री दुर्गेशवरी सिंह सक्रिय रूप से शामिल रहे, जिन्होंने सभी गतिविधियों के सुचारू संचालन और व्यवस्थाओं में योगदान दिया। हमारे सहयोगियों ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई: ट्रिप्पी हिल्स ने ऑन-ग्राउंड संचालन, लॉजिस्टिक्स और प्रचार-प्रसार में व्यापक योगदान दिया, जिससे हर गतिविधि व्यवस्थित और यादगार बनी। वहीं, होमस्टेज़ ऑफ़ इंडिया ने प्रचार, ब्रांडिंग और आउटरीच में सहयोग किया इसके साथ ही स्थानीय मीडिया ने भी जम्बुरी के प्रचार प्रसार में विशेष सहयोग दिया है। जशपुर जम्बुरी को सफल बनाने में जिला प्रशासन के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और?

मुख्यमंत्री ने स्टेट हैंगर से विमान परिचालन सेवा का किया शुभारंभ

एयरपोर्ट के यात्री टर्मिनल पर वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान आम यात्रियों को होने वाली असुविधा होगी समाप्त

वीवीआईपी मूवमेंट अधिक सुगमता से हो सकेगा और एयरपोर्ट परिसर के भीतर अलग व्यवस्था करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज स्वामी विवेकानंद विमानतल परिसर, माना कैम्प के समीप स्टेट हैंगर के नियमित परिचालन का शुभारंभ किया। शुभारंभ के पश्चात मुख्यमंत्री श्री साय अपने गुजरात प्रवास हेतु इसी हैंगर से रवाना हुए।

इस पहल से एयरपोर्ट के यात्री टर्मिनल पर वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान आम यात्रियों को होने वाली असुविधा समाप्त होगी। स्टेट हैंगर के प्रारम्भ होने से राज्य में विशेष विमान द्वारा वीवीआईपी आगमन एवं प्रस्थान की व्यवस्थाएँ अब और अधिक सुगम एवं व्यवस्थित हो जाएगी।

उल्लेखनीय है कि स्टेट हैंगर का निर्माण वर्ष 2012 में लोक निर्माण विभाग (क्कङ्खष्ठ) द्वारा लगभग 6.50 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण किया गया था। तथापि, इसके परिचालन के लिए आवश्यक डीजीसीए (ष्ठत्रष्ट) और बीसीएएस (क्चष्टस्) की विभिन्न अनुमतियाँ हाल ही में 31 अक्टूबर 2025 को प्राप्त हुईं है। अनुमतियां मिलने के पश्चात अब हैंगर का नियमित परिचालन आरम्भ किया गया है।

नवनिर्मित स्टेट हैंगर को टैक्सी वे 'श्व' के माध्यम से एयरपोर्ट रनवे से जोड़ा गया है, जिससे वीवीआईपी मूवमेंट अधिक सुगमता से हो सकेगा और एयरपोर्ट परिसर के भीतर अलग व्यवस्था करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

राज्य शासन के स्वामित्व वाले विमान एवं हेलीकॉप्टरों के रखरखाव के लिए भी यह नया स्टेट हैंगर उपयोग में लाया जाएगा। इससे अब एयरपोर्ट परिसर के भीतर स्थित किराए के स्टेट हैंगर पर निर्भरता समाप्त होगी।

इस अवसर पर विधायक श्री मोतीलाल साहू, माना कैम्प नगर पंचायत अध्यक्ष श्री संजय यादव, मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत, मुख्यमंत्री के उप सचिव श्री सूरज साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में ठंडी हवाओं का असर, 3 डिग्री गिरा तापमान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब सर्दी ने धीरे-धीरे दस्तक देनी शुरू कर दी है। उत्तर-पूर्वी दिशा से आ रही शुष्क और ठंडी हवाओं के असर से तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। नवंबर के दूसरे सप्ताह में ही प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की ठिठुरन महसूस की जाने लगी है।

मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटे में राज्य के न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। सबसे ठंडा स्थान अंबिकापुर रहा, जहां पारा 11 डिग्री के आसपास पहुंच गया। वहीं, राजधानी रायपुर में भी रात का तापमान घटकर 18 डिग्री तक पहुंच गया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर-पूर्व से आने वाली सूखी हवाओं के कारण वातावरण की नमी कम हो रही है, जिससे मौसम दिन-ब-दिन रूखा और ठंडा होता जा रहा है। अगले दो से तीन दिनों में राज्य के उत्तरी इलाकों में शीतलहर जैसी स्थिति बनने की संभावना जताई गई है।

राजधानी रायपुर का आज का मौसम

रायपुर में आज आसमान साफ रहने के आसार हैं। अधिकतम तापमान करीब 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 17 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट देखी जा सकती है।

फसल चक्र परिवर्तन से किसानों की आमदनी में होगा इजाफा

रायपुर। राज्य में किसानों की आमदनी बढ़ाने और कृषि में लागत कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में धमतरी जिले में भूमि एवं जल संरक्षण के साथ-साथ किसानों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से फसल चक्र परिवर्तन अभियान को गति दी जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा कृषि विभाग एवं संबंधित विभागों के समन्वय से किसानों को ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर दलहनी, तिलहनी, लघु धान्य एवं मक्का जैसी कम जल की जरूरत वाली फसलों की खेती हेतु किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। धमतरी जिले में फसल चक्र परिवर्तन पर जोरधमतरी जिले में करीब 1 लाख 58 हजार 180 कृषक हैं, जो कृषि व्यवस्था की रीढ़ हैं। जिले में मुख्य सिंचाई का साधन नहरें हैं। साथ ही करीब 30 हजार नलकूपों से भूमिगत जल का उपयोग भी किया जाता है। इससे जलस्तर में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। इस गंभीर स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा किसानों के बीच जल संरक्षण को बढ़ावा देने

एवं फसल चक्र परिवर्तन को अपनाने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। प्रत्येक विकासखण्ड में 10 गांव फसल चक्र परिवर्तन के लिए शामिल किया जाएगाकृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि धमतरी जिले के अधिकारियों एवं मैदानी अमलों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिले के प्रत्येक विकासखंड के कम से कम 10 गांवों में शत-प्रतिशत फसल चक्र परिवर्तन के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि धान के स्थान पर दलहनी, तिलहनी व मक्का फसलों की खेती करने वाले किसानों को प्रोत्साहन एवं सम्मान प्रदान किया जाएगा।बीज का भण्डारण एवं वितरण समितियों के माध्यम से इस पहल के अंतर्गत ग्राम पंचायतों से प्रस्ताव पारित कर फसल चक्र परिवर्तन को संधारित करने के निर्देश दिए गए हैं। कृषि विभाग को गांव-गांव में जागरूकता शिविर, ऋण एवं बीज वितरण शिविर आयोजित करने कहा गया है, ताकि किसान विभागीय योजनाओं की जानकारी लेकर लाभ उठा सकें। फसल चक्र परिवर्तन को प्रोत्साहन देने हेतु जिले की 39 प्राथमिक साख सहकारी समितियों में बीजों की पर्याप्त भण्डारण की व्यवस्था की गई है, जिनमें अब तक 32.10 क्विंटल गेहूं, 296.70 क्विंटल चना, 22.10 क्विंटल तिवड़ा तथा 52 क्विंटल सरसों के बीज उपलब्ध हैं। प्रशासन द्वारा किसानों से अपील की गई है कि वे अपने नजदीकी सहकारी समितियों एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों से संपर्क कर मार्गदर्शन प्राप्त करें और कम जल मांग वाली फसलों की ओर अग्रसर होकर जल संरक्षण व समृद्धि की दिशा में योगदान दें।

आईपीएस डॉ. संतोष के संयुक्त राष्ट्र के शांति प्रयास पर लिखित किताब का प्रकाशन

रायपुर । पुलिस मुख्यालय में डीआईजी सीसीटीएनएस/एससीआरबी के रूप में पदस्थ आईपीएस डॉ. संतोष सिंह के संयुक्त राष्ट्र के शांति सुदृढ़ीकरण से जुड़े शोध विषय पर लिखित किताब का प्रकाशन दिल्ली के प्रतिष्ठित मानक पब्लिकेशन ने किया। आईपीएस डॉ. संतोष ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और डीजीपी अरुण देव गौतम को किताब की प्रति भेंट की। शीत युद्ध के बाद इक्कीसवीं सदी में दुनिया में हिंसाग्रस्त राष्ट्रों में शांति को चिरस्थाई बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के शांति-रक्षा (पीस कीपिंग) और शांति-स्थापना (पीस मेकिंग) प्रयासों से आगे बढ़कर अपेक्षाकृत नए कार्य जैसे शांति-निर्माण या सुदृढ़ीकरण (पीस बिल्डिंग) कार्यों पर जोर देने की आवश्यकता हो गई है। इस सदी में संयुक्त राष्ट्र के यूएन पीसबिल्डिंग कमीशन के पर्यवेक्षण में किए जा रहे गृह युद्ध से जूझ रहे देशों और युद्धग्रस्त क्षेत्रों में पीस-बिल्डिंग मिशन काम कर दुनिया में शांति प्रयासों को बहुत मजबूत कर रहे हैं। यह किताब दुनियाभर में चल रहे इन शांति प्रयासों के सिद्धांत और वास्तव में धरातल पर हो रहे कार्यों की समालोचना करती है। संतोष सिंह की यह किताब विदेश नीति के नीति-निर्धाताओं, प्रैक्टीसनर्स व छात्रों के लिए विशेष उपयोगी सिद्ध होगा। देश के अंदर के हिंसाग्रस्त क्षेत्रों में भी स्थायी शांति स्थापित करने के लिए आवश्यक तत्वों की समझ बढ़ाने में मदद करेगा। उल्लेखनीय है कि भारत अंतर्राष्ट्रीय शांति व सुरक्षा बनाए रखने में संयुक्त राष्ट्र संघ की सहायता करने में दृढ़ता के साथ प्रतिबद्ध है और विभिन्न देशों में कार्यरत शांति सेनाओं में दुनिया में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से तीसरे नंबर पर है। 1950 से अब तक हमारे देश ने 49 शांति मिशनों में भाग लिया है और लगभग 2 लाख शांति सैनिकों का योगदान किया है। वरिष्ठ भारतीय पुलिस और सैन्य अधिकारी शांति मिशनों में भाग लेते हैं। आईपीएस संतोष सिंह ने हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग से डॉक्टरेट की डिग्री और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) नई दिल्ली से अंतर्राष्ट्रीय संबंध विषय में एमफिल और बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू) वाराणसी से राजनीतिशास्त्र में एमए किया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। **संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।**
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily **कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल** (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)